दैनिक
कीर्तिप्रभा
खबरों के सच का निर्भीक आइना

■ रीवा ■ भोपाल से एक साथ
वर्ष: 28, अंक: 189 पृष्ठ 12, रीवा

बुधवार 01 अप्रैल 2026
मूल्य: 3.00 रुपए

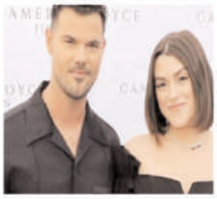

5 लोगों की दर्दनाक मौत

सूरत में भीषण आग- 10 टन साड़ियों के बीच फंसा परिवार,

सूरत, सूरत के लिंबायत इलाके में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं, एक 4 वर्षीय बच्चा और एक अन्य सदस्य शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मौत का कारण दम घुटना और गंभीर रूप से झुलसना बताया गया है। इस दर्दनाक घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए अवैध गोदामों और रिहायशी मकानों में व्यवसाय किए जाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

घटना मीठी खाड़ी के पास स्थित एक रिहायशी सोसाइटी की है, जहां घर के भीतर भारी मात्रा में कपड़ा रखा हुआ था। बताया जा रहा है कि करीब 10 टन साड़ियां घर में स्टॉक की गई थीं, जिससे आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, संकरी गलियों के कारण दमकल विभाग को मौके पर पहुंचने में काफी कठिनाई हुई। फायर ब्रिगेड की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक परिवार के पांचों सदस्य जान गंवा चुके थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को हुए इस हादसे के बाद मौके पर पहुंचे सूरत नगर निगम के मेयर दक्षेश मावानी ने घटना को अत्यंत दुखद बताया। उन्होंने कहा कि घर में बड़ी मात्रा में कपड़ा भंडारित होने के कारण राहत और बचाव कार्य बेहद कठिन हो गया।

नालंदा में माता शीतला मंदिर में मची भगदड़, 9 महिलाओं की मौत और 12 से अधिक लोग घायल

नालंदा, बिहार के नालंदा जिले में माता शीतला मंदिर में मंगलवार को हुई भगदड़ में 9 महिलाओं की मौत हुई और 12 से अधिक लोग घायल हुए। यह घटना चैत्र का अंतिम मंगलवार होने के कारण मंदिर में उमड़ी भारी भीड़ के बीच हुई। भगदड़ अचानक मची, इससे श्रद्धालु इधर-उधर भागने लगे और कई महिलाएं भीड़ में दब गईं। घायल लोगों को इलाज के लिए नजदीकी सदर अस्पताल में भर्ती किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर में सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन पर्याप्त नहीं था। कई श्रद्धालुओं ने बताया कि हर मंगलवार यहां भारी भीड़ होती है, लेकिन लाइन या अनुशासन नहीं होता, जिससे लोग एक-दूसरे को धक्का देकर आगे बढ़ने लगे। घटना के समय एंबुलेंस भी देर से पहुंची। हादसे के बाद मंदिर को खाली कराया गया और भारी पुलिस बल तैनात किया गया। लोग भी आक्रोशित हुए, और प्रशासन ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घटना को अत्यंत दुखद बताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार द्वारा पीड़ितों को हर संभव सहायता और राहत प्रदान की जा रही है, जबकि घायलों का उपचार सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति और शोकाकुल परिवारों को सहारा देने की कामना भी की इसी दिन, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु नालंदा के राजगीर में अंतरराष्ट्रीय नालंदा विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

समारोह में 31 देशों के 617 विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएंगी और विश्वमित्रालय सभागार का उद्घाटन किया जाएगा। राष्ट्रपति का दौरा लगभग साढ़े पांच घंटे का होगा, जिसके लिए नालंदा और आसपास के जिलों में ढाई हजार से अधिक पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों को तैनात किया गया है। भगदड़ के कारणों पर अभी तक स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्थाओं में कमी और भारी भीड़ के चलते यह हादसा घटित हुआ। मंदिर और मेले दोनों ही जगहों पर श्रद्धालुओं की भीड़ थी, जिससे स्थिति और अधिक असुरक्षित हो गई। घटना ने स्थानीय प्रशासन और मंदिर प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं

कांगड़ा में पति ने कर दी पत्नी की कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या

कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा में पति ने पत्नी की हत्या कर दी। जयसिंहपुर के कुटाहन गांव में 32 वर्षीय महिला कालटी देवी का पति स्त्री ने तेजधार हथियार से गला काट दिया। हत्या को अंजाम तब दिया गया जब महिला सो रही थी। महिला के तीन बच्चे हैं, दो लड़के व एक लड़की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी व आरोपित को हिरासत में ले लिया। डीएसपी बैजनाथ संदीप शर्मा व फोरेंसिक टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गए थे।

गैंग का भंडाफोड़- 10 लाख में खरीदी 90 लाख में बेची किडनी,

कानपुर यहां किडनी ट्रांसप्लांट से जुड़े एक संगठित और सनसनीखेज रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। क्राइम ब्रांच और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त कार्रवाई में सामने आया है कि गरीब और जरूरतमंद लोगों को पैसों का प्रलोभन देकर उनकी किडनी निकाली जा रही थी और फिर उसे रसूखदार मरीजों को कई गुना अधिक कीमत पर बेचा जा रहा था। इस पूरे मामले में रावतपुर स्थित एक निजी अस्पताल की भूमिका मुख्य रूप से संदिग्ध पाई गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष का कठोर कारावास,

शिमला हिमाचल प्रदेश के सोलन में कानून का कड़ा रुख देखने को मिला है। यहां की अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक) कनिका चावला की अदालत ने एक नाबालिग लड़की का अपहरण करने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोषी पर 40 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

3 प्रतिशत अतिरिक्त अंक देने का आदेश

जोधपुर राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मख्यपीठ ने किन्नर (ट्रांसजेंडर) समुदाय को ओबीसी सूची में शामिल करने के राज्य सरकार के फैसले पर कड़ी टिप्पणी करते हुए इसे ब्महज दिखावाब्ज् और ब्आंखों में धूल झोंकनाब्ज् करार दिया है।

टोल प्लाजा पर नकद भुगतान बंद,

नई दिल्ली,। देशभर में टोल भुगतान व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए 1 अप्रैल से सभी टोल प्लाजा पर नकद भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। अब वाहन चालकों को टोल टैक्स चुकाने के लिए केवल फास्टैग या यूपीआई का ही उपयोग करना होगा। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य टोल प्लाजा पर लंबी कतारों को कम करना और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना बताया जा रहा है।

28 तेल-गैस टैंकर फंसे

नई दिल्ली,। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच भारत के लिए ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ता दिख रहा है। फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास भारत आने वाले कुल 28 तेल और गैस टैंकर फंसे हुए हैं। इनमें 10 विदेशी झंडे वाले और 18 भारतीय झंडे वाले जहाज शामिल हैं, जो कच्चा तेल, एलपीजी और एलएनजी लेकर भारत की ओर आ रहे थे। पोर्ट्स, शिपिंग और वॉटरवेज मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि विदेशी जहाजों में तीन एलपीजी, चार क्रूड ऑयल और तीन एलएनजी टैंकर शामिल हैं। वहीं भारतीय झंडे वाले जहाजों में एलपीजी, एलएनजी और कच्चा तेल ले जा रहे कई टैंकर होर्मुज के पास रुके हुए हैं। इन जहाजों पर कुल 485 भारतीय नाविक सवार हैं।बताया गया कि ये जहाज उन करीब 500 जहाजों का हिस्सा हैं, जो इस रणनीतिक जलमार्ग में फंसे हुए हैं। सरकार की पहली प्राथमिकता भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में अब तक 8 भारतीय जहाजों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है।

निकाले गए जहाजों में दो प्रमुख एलपीजी टैंकर बीडब्ल्यू टीवायआर और बीडब्ल्यू ईएलएम शामिल हैं, जिनमें कुल 94,000 टन एलपीजी लदा है। इनमें से एक आज और दूसरा 1 अप्रैल तक भारत पहुंचने की उम्मीद है। इससे पहले भी कुछ जहाज सुरक्षित पहुंच चुके हैं, जिनमें पाइन गैस और जग वसंत 92,612 टन एलपीजी लेकर 26 मार्च को भारत पहुंचे थे।

इसके अलावा एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी 16 और 17 मार्च को क्रमशः मुंद्रा और कांडला बंदरगाह पहुंचे थे। एक अन्य जहाज च्जग लाडकीज् 80,886 टन कच्चा तेल लेकर यूएई से 18 मार्च को मुंद्रा पोर्ट पहुंचा था।

अवैध रिश्ते से जन्मी संतान को भी पेंशन का अधिकार

पहली पत्नी को कानूनी हकदार मानते हुए भी बेटी के अधिकार को दी मान्यता, फैसला बन सकता है नजीर

कोलकाता कोलकत्ता हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है, कि अवैध रिश्ते से जन्मी संतान को भी पेंशन का अधिकार मिल सकता है। अदालत का यह निर्णय भविष्य में ऐसे मामलों के लिए एक अहम नजीर बन सकता है। यह मामला पूर्वी रेलवे में कार्यरत एक गेटमैन से जुड़ा था, जिसने अपनी पहली पत्नी को बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर ली थी। रिटायरमेंट के बाद उसने अपनी सर्विस और पेंशन बुक में पहली पत्नी और बेटे के बजाय दूसरी पत्नी और उससे जन्मी बेटी का नाम दर्ज करा दिया।

पहली पत्नी ने इस फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। महिला का कहना था कि उसे मिर्गी की बीमारी के चलते पति ने छोड़ दिया और बिना जानकारी दिए दूसरी शादी कर ली। उसने यह भी आरोप लगाया कि 2012 के बाद से उसे कोई गुजारा भत्ता नहीं मिला, जबकि पहले उसे हर महीने 1000 रुपये देने का आदेश था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह स्पष्ट हुआ कि दंपति के बीच कानूनी रूप से तलाक नहीं हुआ था। ऐसे में जस्टिस कृष्ण राव ने कहा कि पहली पत्नी ही कानूनी रूप से पेंशन की हकदार है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान महावीर के सिद्धांतों को किया याद, देशवासियों को दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली,। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को महावीर जयंती के पावन अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने भगवान महावीर के सिद्धांतों को याद करते हुए कहा कि सत्य, अहिंसा, सद्भाव और समानता पर आधारित उनके संदेश अद्भुत प्रेरणा के स्रोत हैं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भगवान महावीर के महान विचार और आदर्श न केवल आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी हैं, बल्कि आज के आधुनिक समय में भी अत्यंत प्रासंगिक बने हुए हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावनाएं साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा कि भगवान महावीर का जीवन और उनके उपदेश मानवता के पथ को निरंतर प्रकाशित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि समानता और दया पर भगवान महावीर का विशेष जोर हमें समाज के प्रति अपनी साझा जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। प्रधानमंत्री के अनुसार, ये विचार मानवता के लिए हमेशा शक्ति और आशा का संचार करते हैं।इस विशेष अवसर पर प्रधानमंत्री ने सम्राट संप्रति संग्रहालय की तस्वीरें भी साझा कीं, जिसका उद्घाटन उनके द्वारा मंगलवार को किया गया। यह संग्रहालय मौर्य सम्राट अशोक के पोते सम्राट संप्रति को समर्पित है, जिन्हें जैन परंपरा में अत्यंत पूजनीय माना जाता है। सम्राट संप्रति अपनी अहिंसा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और जैन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए विख्यात थे।

हम विकास का नया मॉडल तैयार करेंगे

वाराणसी उत्तर प्रदेश और मप्र सरकार के बीच मंगलवार को सात समझौते हुए। इस अवसर पर मप्र के सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश अपने सफल एक जिला एक उत्पाद मॉडल यूपी के साथ साझा करेगा। मध्य प्रदेश और यूपी के बीच सांझी संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देशय से भी यह एमआयू किए गए हैं। इसका उद्देश्य आपसी सहयोग से अंतरराष्ट्रीय निवेश बढ़ाने और व्यावहारिक औद्योगिक विकास का नया मॉडल तैयार किया जाना है। सीएम ने कहा कि दोनों राज्यों के बीच औद्योगिक, पर्यटन और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण एमओयू हस्ताक्षरित किए गए। इसका मुख्य उद्देश्य ओडीओपी, निवेश और धार्मिक पर्यटन सर्किट वाराणसी-उज्जैन-चित्रकूट को बढ़ावा देना है।इससे पहले मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे। यहां बाबा के दर्शन-पूजन किए। इसके बाद अधिकारियों के साथ चर्चा हुई। इस दौरान सीएम मोहन यादव ने मंदिर की एसओपी को समझा। सीएम मोहन यादव ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम का क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम काफी अच्छा है। जिस तरह बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर में भीड़ प्रबंधन हो रहा है। उसी तरह का प्रबंधन हम सिंहस्थ में भी चाहते हैं। हम इसीलिए यहां आए हैं। हम बाबा महाकाल और काशी विश्वनाथ को लेकर योजनाओं, जानकारियों का आदान-प्रदान करेंगे। इसके लिए हमने एमओयू भी साइन किया है। हम प्रयास करेंगे कि दर्शन के लिए जनता को बेहतर सुविधा मिले। प्रयागराज में महाकुंभ हुआ है। अब उज्जैन में सिंहस्थ होने वाला है। ऐसे में सुगमता बनी रहे, सारी व्यवस्था बनी रहे। इसके लिए हमने प्रजेंटेशन भी देखा। दरअसल, 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ मेला का आयोजन होना है। प्रत्येक 12 साल में शिप्रा नदी के तट पर होने वाले इस आयोजन को लेकर करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु जुड़ते हैं। इन्हीं सब तैयारियों को लेकर सीएम यादव काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर और उज्जैन के महाकाल मंदिर में भीड़ मैनेजमेंट की तकनीक की जानकारी के लिए काशी विश्वनाथ ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी भूषण मिश्र ने उज्जैन के आयुक्त के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

सोनिया गांधी को मिली अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद सोनिया गांधी को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें 24 मार्च को बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ.अजय स्वरूप ने बताया कि उनका इलाज डॉ.डी.एस.राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में एंटीबायोटिक्स के माध्यम से किया गया और उनका स्वास्थ्य लगातार सुधार रहा है। डॉक्टरों ने कहा कि सोनिया गांधी की स्थिति में उत्कृष्ट सुधार हुआ है और अब वे सामान्य स्थिति में हैं। हालांकि उन्हें अभी भी इंट्रावेनस एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं, जो कुछ और दिनों तक जारी रहेंगी। सभी स्वास्थ्य पैरामीटर सामान्य सीमा के भीतर हैं और उनकी स्थिति स्थिर है।अस्पताल के अनुसार, छुट्टी देने का निर्णय मरीज और चिकित्सक की सलाह के बाद लिया गया। वर्तमान में उनका एक सिस्टमिक संक्रमण का इलाज चल रहा है

जनगणना 2027 का पहला चरण आज से शुरू..............
हो जाएं तैयार 33 सवालों के उत्तर देने के लिए

देश में पहली बार जनगणना में खुद अपनी जानकारी आनलाइन भरने की सुविधा

नई दिल्ली,। जनगणना 2027 का पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू हो रहा है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल और आधुनिक तकनीक से हो रही है। पहले चरण को हाउस लिस्टिंग कहा जाएगा, जिसमें मकानों और घरों से जुड़ी जानकारी जुटाई जाएगी। मकानों की गिनती में इस बार जियो-रेफरेंसिंग तकनीक का इस्तेमाल होगा, जिससे हर घर की सटीक लोकेशन सीधे डिजिटल मैप पर दर्ज होगी। मोदी सरकार का कहना है कि इससे कोई मकान छूटेगा नहीं और किसी घर की गिनती दो बार भी नहीं होगी। हाउस लिस्टिंग के बाद फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना का दूसरा चरण शुरू होगा। इस बार पहली बार आजादी के बाद जाति से जुड़ा डेटा भी जुटाया जाएगा। इससे पहले ऐसा 1931 की जनगणना में हुआ था।जनगणना 2027 में लोगों को यह सुविधा दी गई है कि वे स्वयं अपने घर की जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं। इसके लिए पोर्टल पर जाना होगा। जानकारी भरते ही स्क्रीन पर एसई आईडी दिखाई देगी, जिसे बाद में जनगणना कर्मी को दिखाना होगा। इस प्रक्रिया में ध्यान रखने योग्य कुछ बातें हैं। एक मोबाइल नंबर से केवल एक घर रजिस्टर होगा। मुखिया का नाम बाद में बदला नहीं जा सकेगा।मोदी सरकार से साफ कर दिया हैं कि जनगणना डेटा को अत्यंत संवेदनशील माना गया है और इस डेटा को बैंकिंग सिस्टम जैसी सुरक्षा दी जाएगी। इसकी निगरानी नेशनल क्रिटिकल इंफॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर करेगी। डेटा को अति संवेदनशील सूचना बुनियादी ढांचे (सीआईआई) की श्रेणी में रखा गया है, जिससे यह पूरी तरह गोपनीय रहेगा और आरटीआई के दायरे से बाहर होगा। इस डेटा को किसी सरकारी योजना या अदालत में साक्ष्य के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। डेटा लीक होने पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कानूनों के तहत कार्रवाई होगी। जनगणना का आधिकारिक आंकड़ा 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि के आधार पर तय माना जाएगा। जनगणना में इस बार कुछ महत्वपूर्ण बदलाव भी किए गए हैं। अगर कोई जोड़ा लंबे समय से साथ रह रहा है, तब उस जोड़े को विवाहित युगल माना जाएगा, भले ही वे विवाह के बंधन में न बंधे हों। इसके अलावा जनगणना कर्मी आपसे मासिक आय, बैंक बैलेंस, आधार, पैन, बैंक खाता नंबर या ओटीपी जैसी निजी जानकारी नहीं पूछने वाले है।

बालिगों के प्रेम विवाह को सम्मान का मुद्दा नहीं बना सकता परिवार, सुरक्षा देना राज्य का दायित्व

प्रयागराज,। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और बालिगों के अधिकारों को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि दो बालिग व्यक्ति अपनी पसंद से विवाह (प्रेम विवाह) करते हैं, तो कोई भी अन्य व्यक्ति या परिवार इसे अपनी प्रतिष्ठा या सम्मान का मुद्दा नहीं बना सकता। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने रेखांकित किया कि ऐसे मामलों में राज्य का यह प्राथमिक दायित्व है कि वह दंपति के जीवन, उनकी स्वतंत्रता और संपत्ति की रक्षा करे, भले ही उन्हें खतरा उनके अपने ही परिवार के सदस्यों से क्यों न हो।

यह मामला एक ऐसे जोड़े से जुड़ा था, जिसने अपनी मर्जी से आर्य समाज मंदिर में विवाह किया था और उनके पास वैध विवाह पंजीकरण प्रमाणपत्र भी मौजूद था। दंपति ने अदालत को बताया कि महिला के परिवार वाले इस रिश्ते के सख्त खिलाफ हैं और उन्होंने उनके विरुद्ध झूठा आपराधिक मामला दर्ज करा दिया है। याचियों ने संयुक्त हलफनामा दाखिल कर यह गंभीर आशंका जताई कि उन्हें ऑनर किलिंग यानी सम्मान के नाम पर हत्या का शिकार बनाया जा सकता है।

मिडिल ईस्ट तनाव पर आईएमएफ ने जारी की वैश्विक आर्थिक चेतावनी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने ?मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। आईएमएफ का कहना है कि यह संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि धीमी कर सकता है और महंगाई बढ़ा सकता है। खासकर हाल ही में उबर रही अर्थव्यवस्थाओं को इसका गंभीर असर महसूस होगा। तनाव का सबसे बड़ा असर होर्मुज जलडमरूमध्य पर दिख रहा है, जिससे दुनिया का लगभग 25-30 फीसदी तेल और 20 फीसदी गैस गुजरती है। इससे ब्रेंट क्रूड की कीमतें 115 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं।

इलेक्ट्रिक सेगमेंट में ओला रोडस्टर एक्स प्लस स्कूटर ज्यादा चर्चा में

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल और ईरान संघर्ष के चलते भारत में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती किल्लत के बीच अब इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। अब बाजार में ऐसी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलें भी आ चुकी हैं, जो सिंगल चार्ज में 150 से लेकर 500 किलोमीटर तक की रेंज देने का दावा करती हैं।

इस सेगमेंट में ओला रोडस्टर एक्स प्लस सबसे ज्यादा चर्चा में है, जो 501 किमी तक की आईडीसी रेंज के साथ आती है। इसमें दमदार मोटर और तेज एक्सेलेरेशन मिलता है, जो इसे प्रीमियम विकल्प बनाता है। वहीं अल्ट्रावायलेट एफ 77 मेक 2 भी परफॉर्मेंस के मामले में मजबूत है, जिसकी टॉप रेंज 323 किमी तक जाती है।

कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, ब्रेंट क्रूड 115 डॉलर के पार

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतें मंगलवार 31 मार्च को लगातार चौथे दिन बढ़ीं। पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव के कारण सप्लाई प्रभावित हो रही है, जिससे तेल की कीमतों में तेजी आई है। मई डिलीवरी के लिए ब्रेंट क्रूड 115.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि जून कॉन्ट्रैक्ट 108.96 डालर पर था। अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 105.96 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जो 9 मार्च के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ को प्रभावी रूप से बंद करने से स्थिति और गंभीर हो गई है।

अप्रैल में हॉलिडे को मिलाकर कुल 10 दिन बंद रहेगा शेयर बाजार

मुंबई। नए वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरुआत 1 अप्रैल 2026 से हो रही है। इस महीने शेयर बाजार (बीएसई और एनएसई) में सिर्फ दो ट्रेडिंग हॉलिडे होंगी। दोनों एक्सचेंजों पर इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी डेरिवेटिव्स और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग (एसएलबी) जैसे सभी सेगमेंट इन हॉलिडे पर बंद रहने वाले है।

रुपए की लुढ़कती कीमतों पर आरबीआई का सख्त वार
बैंकों को आर्थिक दबाव का खतरा

- बैंकों की गुहार- पुरानी पोजीशन को कैप से बाहर रखने और समय बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होता जा रहा है। शुक्रवार को एक डॉलर की दर 95.30 तक पहुंच गई, जो इस साल रुपये में लगभग 11 फीसदी की गिरावट को दर्शाती है और पिछले 14 वर्षों में सबसे तेज है। रुपये की इस तेजी से गिरावट को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों की नेट ओपन रुपया पोजीशन (एनओपी) पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा लगाने का ऐलान किया है।

आरबीआई ने सभी अधिकृत विदेशी मुद्रा डीलरों (बैंकों) को आदेश दिया है कि वे 10 अप्रैल से हर कारोबारी दिन के अंत में अपनी ओपन रुपया पोजीशन 100 मिलियन डॉलर के भीतर रखें। इससे पहले बैंकों को अपनी कुल पूंजी के 25 फीसदी तक की पोजीशन रखने की अनुमति थी, जो बड़े बैंकों के लिए अरबों डॉलर में होती थी। इस नए नियम का मुख्य उद्देश्य ऑनशोर और ऑफशोर मार्केट के बीच हो रहे अरबिट्राज ट्रेड्स को रोकना है। बाजार के कुछ बड़े खिलाड़ी इन ट्रेड्स के जरिए रुपये के खिलाफ सट्टेबाजी कर रहे थे, जिससे रुपये में अस्थिरता बढ़ रही थी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस कदम से ट्रेडर्स को अपनी लंबी डॉलर पोजीशन छोड़नी पड़ेगी, जिससे डॉलर की मांग कम होगी और रुपये को मजबूती मिलने की संभावना है।

हालांकि, इस उपाय के बैंकिंग सेक्टर पर नकारात्मक असर की भी संभावना है। एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार बैंकों को इस अचानक बदलाव के कारण बाजार से 30-45 अरब डॉलर तक की पोजीशन को बेचना या बंद करना पड़ सकता है। बैंकों के अनुसार, इतनी बड़ी पोजीशन को अचानक बेचने से बाजार की लिक्विडिटी कम हो जाएगी। इसका सीधा असर ग्राहकों, खासकर आयातकों और निर्यातकों को बेहतर दरें देने की क्षमता पर पड़ेगा। लिक्विडिटी कम होने से छोटी ट्रेड भी कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव ला सकती हैं, जिससे रुपये में स्थिरता की बजाय अस्थिरता का खतरा बढ़ सकता है। अनवाइंडिंग प्रक्रिया में बैंकों को उस समय के स्प्रेड (खरीद और बिक्री दर का अंतर) के आधार पर घाटा भी उठाना पड़ सकता है। अगर सभी बैंक एक साथ 10 अप्रैल तक अपनी पोजीशन बंद करने की कोशिश करेंगे, तो बाजार में डॉलर की आवक अचानक बढ़ जाएगी। इसी कारण बैंकों ने आरबीआई से समय सीमा बढ़ाने और पुरानी पोजीशन को इस कैप से बाहर रखने की गुहार लगाई है। उनका सुझाव है कि केवल नए एनडीएफ ट्रेड पर यह कैप लागू किया जाए, जिससे पोर्टफोलियो को चरणबद्ध तरीके से संतुलित किया जा सके और अनावश्यक वित्तीय नुकसान से बचा जा सके।

सेबी ने एलीटकॉन इंटरनेशनल और पांच लोगों पर
लगाया बाजार में हेरफेर का आरोप

- सेबी ने शेयरों की खरीद-फरोख्त से लगाई रोक, बैंक व डीमैट खातों को फ्रीज करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, उसके प्रवर्तक विपिन शर्मा और चार अन्य व्यक्तियों पर प्रतिभूति बाजार में हेरफेर और भ्रामक खुलासों के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की। नियामक ने संबंधित व्यक्तियों और कंपनियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शेयरों की खरीद-फरोख्त से रोक दिया और उनके बैंक व डीमैट खातों को जब्त राशि तक फ्रीज करने का निर्देश दिया।

सेबी ने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया जांच में यह पाया गया कि प्रवर्तक और अन्य पक्ष ऊंची कीमत पर अपने शेयर बेचते रहे, जबकि कंपनी और उसके निदेशक निवेशकों को केवल सकारात्मक वित्तीय और परिचालन जानकारी दे रहे थे। इस प्रक्रिया में कथित तौर पर कुल 51.26 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हुई। नियामक ने आरोप लगाया कि कंपनी ने महत्वपूर्ण नकारात्मक जानकारी, जैसे कि जीएसटी से जुड़े मुद्दे, निवेशकों से छुपाई। इसके परिणामस्वरूप बाजार में कृत्रिम सकारात्मक धारणा बनी और निवेशकों को शेयर खरीदने के लिए प्रेरित किया गया।

सेबी के अनुसार, ऐसा चयनात्मक खुलासा शेयर कीमत को सहारा देने और निवेशकों का लाभ उठाने की योजना की ओर संकेत करता है। सेबी ने कहा कि इस मामले में विस्तृत जांच की जाएगी और कंपनी के वास्तविक वित्तीय हालात का पता लगाने के लिए फोरेंसिक लेखा परीक्षा कराई जाएगी।

प्रतिबंधित व्यक्तियों को अपनी संपत्तियों और निवेशों का विवरण देने का भी आदेश दिया गया है। सेबी ने स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य कथित गैरकानूनी लाभ के दुरुपयोग को रोकना और निवेशकों के हित की रक्षा करना है। प्रवर्तक और अन्य संबंधित इकाइयों पर यह प्रतिबंध अगले आदेश तक लागू रहेगा।

भारत की ऊर्जा रणनीति में बड़ा बदलाव, रिन्यूएबल और ईवी बने भविष्य की कुंजी

- तेल संकट और पश्चिम एशिया तनाव के बीच 500 जीडब्ल्यू लक्ष्य, लेकिन ग्रिड और स्टोरेज बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल आपूर्ति पर जोखिम के बीच भारत तेजी से अपनी ऊर्जा रणनीति बदल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश अब फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता घटाकर रिन्यूएबल एनर्जी और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) की ओर बढ़ रहा है, जो आने वाले समय में बड़े निवेश अवसर के रूप में उभर सकता है। भारत ने 2030 तक 500 जीडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता का लक्ष्य रखा है, जिसमें से करीब 275 जीडब्ल्यू हासिल हो चुका है। हालांकि, चुनौती उत्पादन नहीं बल्कि वितरण है। ट्रांसमिशन लाइन की कमी, जमीन अधिग्रहण में देरी और परमिशन से जुड़े मुद्दों के कारण कई प्रोजेक्ट अटके हुए हैं। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में बिजली बनने के बावजूद उसका पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम और मजबूत ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर इस समस्या का समाधान बन सकते हैं। इसके साथ ही हाइब्रिड और राउंड-द-क्लॉक पावर प्रोजेक्ट्स पर भी निवेश बढ़ रहा है। दूसरी ओर, कई प्रोजेक्ट्स को पावर खरीद समझौते (पीपीए) नहीं मिल पा रहे हैं, जबकि ?डिस्कॉम कंपनियां वित्तीय दबाव में हैं। छोटे डेवलपर्स के लिए फंडिंग और जमीन बड़ी चुनौती बनी हुई है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा अभी भी कमजोर है। देश के पास सिर्फ 5-6 दिन का रणनीतिक तेल भंडार है, जबकि एलपीजी का 55 फीसदी आयात पश्चिम एशिया से होता है। इसे देखते हुए सरकार स्टोरेज क्षमता बढ़ाने और पीएनजी कनेक्शन विस्तार पर काम कर रही है। रिपोर्ट में ईवी और रिन्यूएबल सेक्टर की कंपनियों में निवेश के बेहतर अवसर बताए गए हैं, जो इस बदलाव से सबसे ज्यादा फायदा उठा सकती हैं।

1 अप्रैल से सोना-चांदी निवेश के नियमों में होगा बड़ा बदलाव

- सेबी के नए नियम लागू, अब घरेलू कीमतों पर तय होगी ईटीएफ वैल्यू

नई दिल्ली । 1 अप्रैल से सोने और चांदी में निवेश करने वाले लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव लागू हो रहे हैं, जिनका सीधा असर निवेश की वैल्यू, लोन सुविधा और टैक्स प्लानिंग पर पड़ेगा। ?सिक्यु?रिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इं?डिया (सेबी) के नए नियमों के अनुसार अब गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की कीमतें अंतरराष्ट्रीय मानक लंदन ???बु?लियन मार्केट एसो??शिएशन के बजाय भारतीय एक्सचेंज के घरेलू स्पॉट प्राइस पर आधारित होंगी। इससे निवेशकों को देश के वास्तविक बाजार भाव का बेहतर अंदाजा मिलेगा और विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव का असर कम होगा। वहीं, लोन से जुड़े नियमों में भी राहत दी गई है। अब तक आमतौर पर बैंकों से गोल्ड लोन ही आसानी से मिलता था, लेकिन नए प्रावधानों के तहत बैंक और को-ऑपरेटिव फाइनेंस संस्थाएं चांदी (गहने, सिक्के और बर्तन) के बदले भी लोन दे सकेंगी। यह कदम खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद होगा, जिनकी बचत चांदी के रूप में है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) निवेशकों के लिए भी नियम बदले हैं। ?रिजर्व बैंक आफ इं?डिया से सीधे खरीदे गए बॉन्ड पर मैच्योरिटी पर मिलने वाला लाभ टैक्स-फ्री रहेगा। हालांकि, यदि एसजीबी सेकेंडरी मार्केट से खरीदे गए हैं, तो उस पर टैक्स छूट नहीं मिलेगी। इन बदलावों के बाद निवेशकों को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है, खासकर ईटीएफ और एसजीबी में निवेश करते समय।

तेल पर एक्साइज ड्यूटी घटने के बाद भी कंपनियां लाभ में नहीं

नई दिल्ली । सरकार ने 27 मार्च से पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी घटाई। इससे आम लोगों को राहत मिली है और कंपनियों का घाटा घटकर 17इ28 रुपये प्रति लीटर रह गया है। हालांकि, वे अभी भी पूरी तरह लाभ में नहीं हैं। रिफाइनरी कंपनियों पर डीजल पर 21.5 रुपये और एयरक्राफ्ट फ्यूल पर 29.5 रुपये प्रति लीटर विंडफॉल टैक्स लगाया गया।

विनफास्ट तीन नए इलेक्ट्रिक स्कूटर लाने की तैयारी में

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में सक्रिय होने के बाद अब विनफास्ट कंपनी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मार्केट में भी एंट्री की तैयारी कर चुकी है। भारत में विनफास्ट कंपनी अपने घरेलू बाजार में बिकने वाले तीन स्कूटर विनफास्ट ईवीओ, विनफास्ट फेलीझ और विनफास्ट वाइपर को लॉन्च करने की योजना बना रही है।

शुरुआती चरण में ये स्कूटर वियतनाम से सीकेडी यूनिट्स के रूप में भारत लाए जाएंगे और तमिलनाडु स्थित प्लांट में असेंबल किए जाएंगे। कंपनी ने स्थानीय उत्पादन बढ़ाने के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ समझौता भी किया है, जिसके तहत थूथुकुडी के सिपकॉट इंडस्ट्रियल पार्क में विस्तार की योजना है। भारतीय बाजार में इन स्कूटर्स का मुकाबला टीवीएस आईक्यूब, बजाज चेतक इलेक्ट्रिक, ओला एस1, अथेर रिज्टा और हीरो वीडा जैसे मॉडलों से होगा। इनमें सबसे प्रीमियम मॉडल वाइपर होगा, जिसमें 3,000 डब्ल्यू बीएलडीसी इन-हब मोटर दी जाएगी, जो 70 किमी/घंटा तक की टॉप स्पीड दे सकती है।

इसमें एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, स्मार्ट-की फीचर्स और बेहतर सस्पेंशन सिस्टम जैसे एडवांस फीचर्स मिलेंगे। फेलीझ भी लगभग समान परफॉर्मेंस देता है, जबकि ईवीओ में 2,450 वॉट मोटर दी जाएगी। तीनों स्कूटर्स में बैटरी स्वैप टेक्नोलॉजी दी जाएगी, जिसमें सीट के नीचे दो 1.5 केडब्ल्यूएच एलएफपी बैटरी स्लॉट मिलेंगे। फुल चार्ज पर ईवीओ करीब 165 किमी और वाइपर व फेलीझ लगभग 156 किमी की रेंज देने में सक्षम होंगे। इसके अलावा ईवीओ लाइट वर्जन भी आएगा, जिसकी स्पीड 50 किमी/घंटा से कम होगी और इसके लिए लाइसेंस की जरूरत नहीं होगी।

किफायती होने के साथ शानदार माइलेज देती है ये 5 कारें

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में कई ऐसी कारें मौजूद हैं जो किफायती होने के साथ शानदार माइलेज भी देती हैं। पेट्रोल-डीजल के दामों में उतार-चढाव के बीच आजकल कार खरीदते समय माइलेज सबसे अहम फैक्टर बन गया है।

खासकर मिडिल क्लास परिवार ऐसी गाड़ियों की तलाश में हैं जो कम ईंधन में ज्यादा दूरी तय कर सकें। इनमें कुछ मॉडल 25 से 28 किमी/लीटर से ज्यादा का माइलेज देने में सक्षम हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे मारुति सुजुकी ग्रांड विटारा (विक्टोरिस) का नाम आता है, जो 28.65 किमी/लीटर तक का माइलेज देती है। इसका हाइब्रिड इंजन इसे बड़ी एसयूवी होने के बावजूद बेहद फ्यूल एफिशिएंट बनाता है। दूसरे नंबर पर टोयोटा अर्बन क्रूजर हायराइडर है, जो 27.97 किमी/लीटर का माइलेज देती है। इसका स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सिस्टम इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के तालमेल से बेहतर एफिशिएंसी देता है। प्रीमियम सेडान सेगमेंट में होंडा सिटी हायब्रिड भी शानदार विकल्प है, जो 27.26 किमी/लीटर का माइलेज देती है।

इसका स्मार्ट हाइब्रिड सिस्टम ड्राइविंग के दौरान खुद तय करता है कि कब इंजन और कब बैटरी का इस्तेमाल करना है। वहीं बजट सेगमेंट में मारुति सुजुकी सेलेरियो 26 किमी/लीटर के माइलेज के साथ एक बेहतरीन ऑप्शन है, जो कम कीमत और कम मेंटेनेंस के लिए जानी जाती है। इसके अलावा मारुति सुजुकी स्वीफ्ट का नया मॉडल भी 25.75 किमी/लीटर तक का माइलेज देता है। यह कार माइलेज के साथ स्पोर्टी डिजाइन और अच्छी परफॉर्मेंस का संतुलन पेश करती है।

भारत के लिए ऊर्जा संकट की चेतावनी, ईवी और रिन्यूएबल ऊर्जा में तेजी जरूरी

- वर्तमान में भारत के पास पेट्रोलियम का केवल 5-6 दिन का स्ट्रेटेजिक रिजर्व

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने वैश्विक तेल बाजार को अस्थिर कर दिया है और भारत जैसे बड़े आयातक देशों के लिए खतरा और बढ़ गया है। एक की रिपोर्ट के मुताबिक, यह सिर्फ अस्थायी झटका नहीं, बल्कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा के लिए चेतावनी है। वर्तमान में भारत के पास पेट्रोलियम का केवल 5-6 दिन का स्ट्रेटेजिक रिजर्व है, जबकि एलपीजी की स्थिति और गंभीर है, क्योंकि देश अपनी जरूरत का 55 फीसदी आयात पर निर्भर करता है और स्टॉक सिर्फ 20-25 दिन का है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईवी अपनाना भारत के लिए सबसे बड़ा हथियार हो सकता है। अगर सरकार सब्सिडी फिर से लागू करती है, तो 2035 तक तेल आयात में लगभग 4.5 फीसदी की कमी लाई जा सकती है। ईवी का हिस्सा वर्तमान में 23 फीसदी है, जबकि सब्सिडी मिलने पर यह 34 फीसदी तक बढ़ सकता है। इससे न केवल खर्च कम होगा, बल्कि करंट अकाउंट घाटा भी घटेगा। हालांकि ईवी अपनाने की राह आसान नहीं है। वर्तमान में इसका उपयोग केवल 7 फीसदी है। चार्जिंग स्टेशन की कमी, बैटरी तकनीक की सीमाएं और ऊंची कीमतें बड़ी बाधा हैं। ऑटो (3-व्हीलर) में तेजी है और 2-व्हीलर में भी भविष्य में बढ़ोतरी की उम्मीद है।

नाम सुधार सूचना

सत्येंद्र सिंह पिता दिलदार - सिंह ग्राम पोस्ट अहिरगाँव के निवासी है जो कि मेरे नाम की LIC का पॉलिसी नंबर 357097173 जो अमरपाटन शाखा में संचालित है जबकि - सभी रिकार्ड पैन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता ओम प्रकाश सिंह पिता दिलदार सिंह के नाम से जाना एवं पहचाना जाता है।

ओम प्रकाश सिंह पिता दिलदार सिंह

गिरावट के बाद चमक सकता है स्मालकेप स्टॉक टाइम टेक्नोप्लास्ट!

- 2026 में 15 फीसदी टूटा, ब्रोकरेज को अब 70 फीसदी अपसाइड का दिख रहा मौका

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर भारतीय शेयर बाजारों पर साफ दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई और यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र रहा जब प्रमुख सूचकांक दबाव में बंद हुए। बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिली, जिससे ज्यादातर शेयर लाल निशान में बंद हुए। निवेशकों की चिंता बढ़ने के चलते लगभग सभी सेक्टरों में कमजोरी दर्ज की गई। इस गिरावट के बीच ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने स्मॉलकैप कंपनी टाइम टेक्नोप्लास्ट पर सकारात्मक रुख बनाए रखा है। ब्रोकरेज का मानना है कि हालिया गिरावट लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक अच्छा अवसर पेश करती है। मोतीलाल ओसवाल ने इस स्टॉक पर 'खरीदारी' की सलाह बरकरार रखते हुए 280 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है।

मौजूदा स्तर से यह करीब 70 प्रतिशत से अधिक संभावित रिटर्न दर्शाता है। ब्रोकरेज के अनुसार, भले ही पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है, लेकिन कंपनी के ऑपरेशन काफी हद तक स्थिर हैं। इस क्षेत्र से कंपनी की कुल आय का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा आता है, जिससे जोखिम सीमित रहता है।

कंपनी की रणनीति, जिसमें 11 देशों में स्थानीय स्तर पर उत्पादन और बिक्री शामिल है, सप्लाई चेन पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को कम करने में मदद करती है।

इसके अलावा, वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स और कम्पोजिट सिलेंडर सेगमेंट में बढ़ती हिस्सेदारी कंपनी के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत देती है।

ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर टोल और सत नियम को दी मंजूरी

- अमेरिका-इजराइल के जहाजों पर रोक का प्रस्ताव, वैश्विक तेल आपूर्ति पर असर की आशंका

नई दिल्ली। ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने हाल ही में स्ट्रेट आफ होर्मुज को लेकर एक अहम मैनेजमेंट प्लान को मंजूरी दी है। इस योजना में इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर टोल (शुल्क) लगाने का प्रस्ताव शामिल है।

सरकारी मीडिया के अनुसार, योजना में सुरक्षा, जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, पर्यावरण संरक्षण और वित्तीय प्रबंधन जैसे कई महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया है। प्रस्ताव के तहत टोल वसूली ईरानी मुद्रा रियाल में की जाएगी। साथ ही यूनाइटेड स्टेट और इजरायल के जहाजों के इस मार्ग से गुजरने पर रोक लगाने की बात कही गई है। इसके अलावा उन देशों के जहाजों को भी अनुमति नहीं दी जाएगी, जो ईरान पर एकतरफा प्रतिबंधों में शामिल हैं। योजना में ओमान के साथ मिलकर कानूनी ढांचा तैयार करने का भी उल्लेख है। इस बीच, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि अमेरिका भविष्य में इस जलमार्ग पर स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि इसके लिए बहुराष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जा सकती है। वहीं पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जलमार्ग को बाधित किया गया, तो अमेरिका ऊर्जा ढांचे पर कार्रवाई कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार प्रभावित हो सकता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ने की आशंका है।

जिला सलाहकार समिति की बैठक में प्राप्त आवेदनों पर चर्चा

सतना पीसी एण्ड पीएनडीटी एक्ट की जिला सलाहकार समिति की मंगलवार को संपन्न बैठक में आनलाइन समिति को प्राप्त 9 आवेदनों के संबंध में चर्चा की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नलिनी शुक्ला की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में सिविल अस्पताल मैहर में सोनोग्राफी बंद होने की सूचना को संज्ञान में लेते हुए नवीन संस्था प्रभारी डॉ. दीपक तिवारी के नाम सिविल अस्पताल मैहर के लिए प्रस्तुत आवेदन का अनुमोदन किया गया।

1 अप्रैल को प्रवेशोत्सव के साथ 4 अप्रैल तक चलेगा 'स्कूल चलें हम' अभियान,

सतना नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के शुभारंभ के साथ जिले में 01 से 04 अप्रैल तक -स्कूल चलें हम- अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत 01 अप्रैल को सभी विद्यालयों एवं जिला स्तर पर प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं साइकिल का वितरण किया जाएगा। साथ ही उत्कृष्ट विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का सम्मान भी किया जाएगा तथा शाला से बाहर रहे बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा।

मरीजों को निजी अस्पताल ले जाने की शिकायत पर जांच समिति गठित

सतना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला द्वारा जिला चिकित्सालय में मरीजों को बहला-फुसलाकर निजी अस्पतालों में ले जाने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार कुछ आशा कार्यकर्ताओं एवं अन्य व्यक्तियों द्वारा जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को गुमराह कर निजी अस्पतालों में ले जाकर कमीशन के उद्देश्य से इलाज कराए जाने की बात सामने आई है।

राज्यमंत्री आज सतना आयेंगी

सतना प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी 1 अप्रैल को प्रातः 6.30 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से सतना आयेंगी।

मैहर मे टीएल बैठक आज, एजेंडा अनुसार होगी समीक्षा

मैहर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मैहर रानी बाटड की अध्यक्षता में टीएल (समय-सीमा पत्रकों) की साप्ताहिक समीक्षा बैठक 1 अप्रैल 2026 को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में आयोजित की जायेगी। टीएल बैठक के लिए जारी एजेंडा अनुसार विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति और योजनाओं के क्रियान्वयन की बिंदुवार समीक्षा की जाएगी।

प्रशासनिक कार्य सुविधा हेतु अधिकारियों के बीच कार्य विभाजन

सीधी कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा प्रशासनिक कार्यों में सुगमता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूर्व कार्य विभाजन आदेशों में संशोधन करते हुए जिले में पदस्थ अधिकारियों के बीच नवीन कार्य विभाजन किया गया है, जो आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा।

निजी विद्यालयों में पुस्तक एवं गणवेश की उपलब्धता को लेकर बैठक कल

सीधी जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि निजी विद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रम, विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाने वाली पुस्तकों तथा निर्धारित गणवेश की उचित दर पर सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सीधी की अध्यक्षता में 2 अप्रैल 2026 को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत सभागार में बैठक आयोजित की जाएगी।

पार्टी हमारी मॉए इसलिए भव्यता और हर्ष उल्लास के साथ मनाए स्थापना दिवस :रीती पाठक

प्रत्येक बूथ पर गरिमा के साथ मनाए पार्टी का स्थापना दिवस .. देव कुमार

स्थापना दिवस तैयारी बैठक संपन्न

सीधी। भारतीय जनता पार्टी केवल पार्टी नहीं हमारी मां हैए इसलिए पार्टी का जन्म दिवस आगामी 6 अप्रैल को हर्षोल्लास के साथ आयोजित करें। पार्टी के कारण हमारी शान और सम्मान हैए व्यक्तित्व और नाम की पहचान है।

उक्त आशय के विचार भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी 6 अप्रैल को मनाए जा रहे स्थापना दिवस के कार्यक्रम की तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक ने बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता और पूर्व जिला अध्यक्ष के के तिवारी की विशिष्ट उपस्थिति में कहीं। सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जन्म दिवस आनंद और उल्लास का दिन होता है। इसलिए पार्टी का स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को शानदार ढंग से आयोजित करें। भारतीय जनता पार्टी की सरकार कार्यकर्ताओं के दम और जनता जनार्दन के आशीर्वाद से लगातार बना रही है। अध्यक्षीय उद्बोधन में भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में राष्ट्रीय प्रथम फिर पार्टी और उसके बाद कार्यकर्ता आता है। सबका साथए सबका विकासए सबका प्रयास और सबका विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन मंत्र है। कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता जनार्दन के आशीर्वाद के कारण आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। जिला अध्यक्ष श्री चौहान ने कहा कि स्थापना दिवस 6 अप्रैल के तारीख में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। जिसमें साज सज्जाए ध्वजारोहणए स्वच्छता अभियानए वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों का सम्मानए बस्ती संपर्कए केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं पर चर्चाए सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन सहित आदि प्रकार के अलग.अलग दिनों मे अलग.अलग प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रशिक्षण के संभागीय सह प्रभारी के के तिवारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 6 अप्रैल पार्टी का स्थापना दिवस है। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रदेश एवं केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार आयोजित हो रहे हैं। सभी कार्यक्रम प्रभावी और ऐतिहासिक होए इसके लिए हम सभी को पूर्ण मनोयोग से जुटना चाहिए।

मैहर से लौटते समय बड़ा हादसा 10 फीट गहरी खाई में गिरा ऑटो 7 घायल

जितेन्द्र शर्मा प्रतिनिधि अमरपाटन मैहर मध्यप्रदेश के मैहर में माँ शारदा के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गयाण्ताला थाना क्षेत्र के गोविंदगढ़ मार्ग पर तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर करीब 10 फीट गहरी खाई में जा गिराण्हादसे में ऑटो चालक समेत कुल 7 लोग घायल हो गएए जिनमें 4 की हालत गंभीर बनी हुई है। 'रात 10 बजे हुआ हादसा' पुलिस के अनुसारए ऑटो ;क्रमांक डच17 त् 3137द्ध में सवार सभी श्रद्धालु रीवा जिले के गोविंदगढ़ क्षेत्र के ग्राम सेमरिया के निवासी हैंण्सोमवार को वे मैहर में माँ शारदा के दर्शन करने आए थेण्रात करीब 10 बजे मुकुंदपुर मार्ग से अपने गांव लौटते समय चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठाए जिससे ऑटो सड़क किनारे खाई में पलट गया। 'ग्रामीणों ने चलाया राहत अभियान' हादसा इतना भीषण था कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गएण् चीख.पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचना दीण्मुकुंदपुर चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को खाई से बाहर निकाला। 'रीवा अस्पताल में चल रहा इलाज' घटना के बाद 108 एम्बुलेंस की सहायता से सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद संजय गांधी अस्पतालए रीवा रेफर किया गया। डॉक्टरों के मुताबिक 3 लोगों को सामान्य चोटें आई हैंए जबकि 4 की हालत नाजुक बनी हुई है। 'गंभीर घायलों के नाम' रवि बुनकर ;27द्ध पिता सरजू कोरीण्तसम कोल ;27द्ध पिता सुखलाल कोलण्आशिष बुनकर ;24द्ध पिता सरजू कोरीण्शिवचंद साकेत ;45द्ध पिता रामनाथ साकेतण्जांच में जुटी पुलिस मुकुंदपुर चौकी पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ऑटो को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी हैण्प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और मोड़ पर असंतुलन हादसे की वजह मानी जा रही हैण्साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि ऑटो में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां तो नहीं बैठी थीं।

कैबिनेट मंत्री विजय शाह ने लिया आशिर्वाद

मैहर। मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री विजय शाह का मैहर आगमन होने पर मां शारदादेवी के दर्शन कर पुण्य लाभ लिया। मां शारदादेवी के पुजारी रमेश पांडेय बमबम महाराज द्वारा जनजातीय कार्य मंत्री श्री शाह का विधि विधान से मां की पूजा अर्चना कराकर मां शारदादेवी से उनके दीर्घायु जीवन कि कामना की गई। कैबिनेट मंत्री विजय शाह पुजारी बमबम महाराज के साथ रोपवे से एक ही केबिन में बैठकर गए और दर्शन उपरांत दोनों एक साथ नीचे उतरे। बताया जा रहा है कि मंत्री विजय शाह से बमबम महाराज के करीब 30 वर्षों के बहुत ही अच्छे गहरे सम्बंध हैं।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 78 आवेदकों की समस्यायें

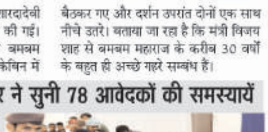

सतना मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सतना जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 78 आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भूमि विवाद, राजस्व रिकॉर्ड सुधार, सिंचाई, बिजली, पानी, सड़क निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति, आवास योजना तथा अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत कीं। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर विकास सिंह, डिप्टी कलेक्टर सुभाष मिश्रा, संदीप परस्ते द्वारा भी आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं।

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम

सीधी मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली द्वारा गोद ग्राम जोबा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा की भावना विकसित करना तथा उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने की। उन्होंने स्वयंसेवकों के अनुशासन, सेवा भावना एवं समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि एनएसएस युवाओं को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाता है।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित खंड चिकित्सा अधिकारी मझौली डॉ. संदीप कुमार शुक्ला ने एचपीवी टीकाकरण एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचपीवी वैक्सीन कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम करने में सहायक है तथा सरकार द्वारा 14 वर्ष या उससे अधिक आयु की बालिकाओं को यह टीका निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि डॉ. राकेश तिवारी ने छात्राओं को पीसीओडी के बारे में जानकारी देते हुए संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी और कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार का आधार होती है।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने विशेषज्ञों से संवाद कर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

एचपीवी एवं मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सीधी। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली द्वारा गोद ग्राम जोबा में राष्ट्रीय सेवा योजना ;एनएसएसद्ध के तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के साथ.साथ समाज सेवा एवं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का समग्र विकास करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉण् गीता भारती ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने स्वयंसेवकों के अनुशासनए सेवा भावना और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाती है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित खंड चिकित्सा अधिकारी मझौली डॉण् संदीप कुमार शुक्ला ने एचपीवी टीकाकरण एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचपीवी वैक्सीन से कैंसर का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है तथा सरकार 14 वर्ष या उससे अधिक आयु की बालिकाओं को यह टीका निःशुल्क उपलब्ध करा रही है। यह अभियान भारत में कैंसर रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विशिष्ट अतिथि डॉण् राकेश तिवारी ने छात्राओं को पीसीओडी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बदलती जीवनशैली के कारण यह समस्या तेजी से बढ़ रही है।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

मैहर। गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि, बिजली दरों में बढ़ोत्तरी तथा पेट्रोल डीजल की कीमतों में उछाल के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को एसडीएम कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने आमजनो पर बढ़ते आर्थिक बोझ को लेकर चिंता जताई। ज्ञापन में महंगाई को आम जनता के लिए गंभीर संकट बताते हुए त्वरित राहत की मांग की गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई ने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं जिससे गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों का जीवन अत्यंत कठिन हो गया है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रमेश मुन्ना प्रजापति ने कहा कि महंगाई ने आमजन का जीवन अस्त व्यस्त कर दिया है और जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने कहा कि सरकार को जनभावनाओं का सम्मान करते हुए तत्काल गैस सिलेंडर के दाम कम करनेए बिजली दरों को वापस लेने एवं पेट्रोल डीजल की कीमतों में राहत देने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी, रामभद्र पांडेय, अमजद खान सेवादल जिला अध्यक्ष अरुण तनय मिश्रा, नागेंद्रनाथ बड़गइयां, चूड़ामणि बढ़ोलिया, रामराज सिंह, अमृतलाल पटेल, केशव चौरसिया, मनीष पटेल, रामावतार चौरसिया, रामसिंह बुंदेला, गणेश तिवारी एवं दिनेश द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

जनसुनवाई को अधिक प्रभावी बनाने की पहल, कलेक्टर ने सुनी 276 लोगों की समस्याएं

आमजन को राहतः जनसुनवाई में मौके पर समाधान के साथ स्वास्थ्य परीक्षण भी

सीधी कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा जनसुनवाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुख बनाने की दिशा में नवाचारपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर ने स्वयं उपस्थित होकर 276 आमजन की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं, कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवेदनों को समय सीमा में निराकृत करने के लिए निर्देशित किया।

नई व्यवस्था के तहत जनसुनवाई को सरल एवं सुलभ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। अब आवेदकों को आवेदन लिखने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालेंटियर्स की सहायता ली जा रही है, ताकि अशिक्षित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। प्राप्त सभी आवेदनों को तत्काल जन आकांक्षा पोर्टल पर दर्ज कर प्रत्येक आवेदक को पावती प्रदान की जा रही है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके आवेदनों की स्थिति का ट्रैक रखा जा सके।

नारकोटिक्स समिति की बैठक- नशे के विरुद्ध सख्त अभियान शुरू

ड्रग्स नहीं, दूध चाहिए अभियान को मिलेगा जोर

युवाओं को बचाने की पहलः कोचिंग, स्कूल और हॉस्टलों पर विशेष नजर

सीधी जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में कलेक्टर श्री विकास मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नारकोटिक्स समिति की बैठक आयोजित की। बैठक में अवैध नशे के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस रणनीति तैयार की गई और संबंधित विभागों को कड़े निर्देश जारी किए गए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्पष्ट कहा कि जिले में अवैध शराब एवं नशीली दवाओं की बिक्री किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मेडिकल स्टोर्स की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा स्कूल परिसरों से निर्धारित दायरे में पान मसाला एवं नशीली दवाओं की दुकानों पर प्रतिबंध लगाने को कहा। नशे के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस विभाग को व्हाट्सएप नंबर जारी कर शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी संबंधित विभागों की संयुक्त टीम गठित करने के निर्देश दिए गए, जो अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में लगातार कार्रवाई करेगी।बैठक में संवेदनशील क्षेत्रों में गांजा की अवैध खेती पर विशेष अभियान चलाने, ई-सिगरेट की बिक्री पर निगरानी रखने तथा नशा मुक्ति के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया। आबकारी विभाग को अवैध शराब के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए जब्त सामग्री के शीघ्र विनष्टीकरण के निर्देश दिए गए। इसके अलावा कोचिंग सेंटर, स्कूल, कॉलेज एवं हॉस्टल जैसे स्थानों पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया, ताकि युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाया जा सके।

कलेक्टर ने नशे से प्रभावित परिवारों से भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि -ड्रग्स नहीं, दूध चाहिए- जैसे संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाए, जिससे समाज में सकारात्मक वातावरण निर्मित हो सके।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री बी.पी. पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

काचन नदी तट एवं हिरवाह मुक्तिधाम के पास चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य का आयुक्त ने किया निरीक्षण

मुक्तिधाम के समीप उपलब्ध भूमि सार्वजनिक पार्क विकसित करने हेतु डीपीआर तैयार करने के दिए निर्देश

सिंगरौली 31 मार्च 2026।नगर निगम आयुक्त श्रीमती सविता प्रधान ने आज काचन नदी तट एवं हिरवाह मुक्तिधाम के समीप चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता एवं समय सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।आयुक्त ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि नदी तट क्षेत्र का सुव्यवस्थित एवं सौंदर्यपूर्ण विकास शहर की पहचान को सुदृढ़ करेगा तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं आकर्षक वातावरण उपलब्ध कराएगा।निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने हिरवाह मुक्तिधाम के समीप उपलब्ध भूमि का अवलोकन कर वहाँ एक सार्वजनिक पार्क विकसित किए जाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने नगर निगम के तकनीकी अमले को उक्त स्थल पर पार्क निर्माण हेतु विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिएए ताकि भविष्य में नागरिकों को हरित क्षेत्र एवं मनोरंजन की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। आयुक्त ने सभी कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री संतोष पांडेय उप यंत्री बिपिन तिवारी उपस्थित रहे।

कविता गाकर रिझाने के लिए नहीं समझ कर खो जाने के लिए है।
- रामधारी सिंह दिनकर

रुपये की गिरावट रोकने रिजर्व बैंक के एक्शन से बैंकों पर दबाव

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले में लगातार गिरता चला जा रहा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 95.30 के स्तर तक पहुंच गई है। इस वर्ष डॉलर के मुकाबले रुपए में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट हुई है। पिछले 14 वर्षों में यह सबसे बड़ी गिरावट है। इस स्थिति को संभालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़ा कदम उठाते हुए बैंकों की नेट ओपन रुपया (एनओपी) पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय कर दी है। आरबीआई के निर्देश के अनुसार, सभी अधिकृत विदेशी मुद्रा डीलरों को 10 अप्रैल से प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में अपनी ओपन पोजीशन इस तय सीमा के भीतर रखनी होगी। इससे पहले बैंकों को अपनी कुल पूंजी के 25 प्रतिशत तक डॉलर मुद्रा रखने की छूट थी। जिससे बैंकों और डीलरों के लिए डॉलर रखने की कोई सीमा नहीं थी। रिजर्व बैंक द्वारा डॉलर की सीमा निर्धारित कर दिए जाने के कारण अब रुपए के मुकाबले डॉलर की मांग कम होगी। रिजर्व बैंक ने डॉलर और रुपए की सट्टेबाजी को रोकने के लिए यह कदम उठाया है। जिस तरह से डॉलर की कीमत बढ़ रही थी उसके साथ ही सट्टेबाजी में डॉलर मुद्रा का उपयोग हो रहा था जिसके कारण रुपए में अकारण गिरावट देखने को मिल रही थी। वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक का मानना है की सीमा निर्धारित कर दिए जाने से सट्टेबाजी में रोक लगेगी। कुछ बड़े निवेशक डॉलर का उपयोग सट्टेबाजी के लिए कर रहे थे। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, रिजर्व बैंक के इस फैसले से बैंकों और ट्रेडर्स को डॉलर मे निवेश को कम करना पड़ेगा, जिससे डॉलर की मांग कम होगी, इससे रुपये को मजबूती मिलेगी।

रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से कई दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, बैंकों को 30 से 45 अरब डॉलर की पोजीशन को कम या समाप्त करना पड़ सकता है, भविष्य में डॉलर की कमी से डीलरों, बैंकों और आयातकों को नुकसान हो सकता है। हाल ही में रुपए में मजबूती जरूर आ जाएगी, लेकिन भविष्य में इसका बड़ा दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकता है। डॉलर मुद्रा को लेकर छोटे लेन-देन में इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा। वहीं डॉलर मुद्रा में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। जिससे बाजार में अस्थिरता बढ़ने का खतरा है। रिजर्व बैंक ने जो सीमा निर्धारित की है, पूर्व में किए गए अनुबंध और डॉलर के लेन-देन पर इसका असर पड़ना तय है। बैंकों को इस कारण भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। सभी बैंक एक साथ डॉलर मुद्रा को इस सीमा पर लाने की कार्रवाई करते हैं, तो बाजार में डॉलर की आपूर्ति अचानक बढ़ेगी। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में सुधार आएगा। आगे चलकर यह स्थिति भविष्य के लिए जटिल हो सकती है। बैंकों ने आरबीआई से समय सीमा को बढ़ाने की मांग की है। बैंकों ने पुराने लेनदेन और डॉलर मुद्रा के निवेश पर इस सीमा से बाहर रखने की मांग की है। बेंकों का सुझाव है, नए सौदों पर यह नियम लागू किए जाएं, ताकि धीरे-धीरे डॉलर मुद्रा के लेन-देन को लेकर संतुलन बनाया जा सके।

आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, आरबीआई का यह कदम जरूरी था। सट्टेबाजी के कारण डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा था। रिजर्व बैंक ने एक ही बार में हथोड़ा पटक दिया है। इस सीमा को चरणबद्ध तरीके से लागू करना ज्यादा प्रभावी साबित हो सकता है। बैंकों की मांग नाजायज नहीं है। शेयर बाजार और बैंकों के निवेश में वह आकर्षण नहीं था जो डॉलर मुद्रा पर था जिसके कारण भारत में डॉलर मुद्रा को लेकर सट्टेबाजी बड़ी मात्रा में हो रही थी। रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन यह मदद कितने समय तक रहेगी इसका कोई आकलन रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय द्वारा नहीं किया गया। इसे जल्दबाजी में उठाया गया एक कदम माना जा सकता है। वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक को इस पर गंभीरता से विचार विमर्श करने की जरूरत है। भारत के आयात-निर्यात व्यापार में एवं अन्य लेन-देन में डॉलर मुद्रा का अपना वजूद है। भारत में यदि डॉलर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होगा, ऐसी स्थिति में और भी कई तरीके की मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। बैंकों द्वारा यदि डॉलर मुद्रा की निकासी बहुत कम समय में की गई तो ऐसी स्थिति में बैंकों को भारी नुकसान हो सकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद के अंदर जिस तरह से विश्वास के साथ कहा है कि रुपए की गिरावट को थामने के लिए सरकार कार्यवाही कर रही है। इसका असर बाजार में देखने को मिला है। यह कितने समय तक रहेगा, इसको लेकर तरह-तरह की आशंकाएं भी जताई जा रही हैं।

भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हनुमान

ज्योतिषीयों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे भारत देश में आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था,कहा जाता है किवर्षों की घोर तपस्या के बाद माता अंजना ने एक विलक्षण बुद्धि के बालक को जन्म दिया। चैत्र शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को मध्य रात्रि में अंजना के गर्भ से भगवान शिव अपने रुद्रदेह को त्याग कर वानररुप हनुमान बन कर अवतरित हुए। भगवान शिव ने ग्यारहवें रुद्र के रुप में अंजना के गर्भ से जन्म लिया, इसलिये शास्त्रों में हनुमानजी को रुद्रावतार कहा गया है।

माता अंजना पूर्वजन्म में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थीं। रावण जब देवलोक गया तो इसके रूप और तेज को देख कर मोहित हो गया। रावण ने कामुक होकर इसका हाथ पकड़ लिया।अपना हाथ छुड़ा कर क्रोधित पुंजिकस्थली सीधे ब्रह्माजी के पास गई और कहा, चआपका वरदान पाकर ऐसे दुष्ट स्वभाव के लोग देवलोक में विचरण करते रहते हैं और आपके शरणागतों के साथ अत्याचार, अनाचार करते हैं।ज् ब्रह्माजी ने रावण से कहा, चयदि आज के बाद तुम किसी परायी स्त्री को बुरी नजर से देखोगे तो तुम्हारे सिरके टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।ज् अप्सरा इससे संतुष्ट नहीं हुई। उसने ब्रह्माजी से कहा, चमैं इससे स्वयं बदला लूँगी।चअत्रि मुनि के शाप के कारण इसी पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा ने कुंजर वानर के यहाँ जन्म लिया जिसका नाम अंजना (अंजनि) रखा गया। अंजना का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। बड़ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये। अंजना ने मतंग ऋषि के आश्रम में एक हजार वर्ष तक तपस्या की। इसके बाद सौ वर्ष तक वैंकटेश्वर पर्वत पर तपस्या की। इस अवधि में केसरीजी ने उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जब अंजना तपस्या कर रही थी तो त्रिदेव उनके पास पहुँचे। अंजना ने उनसे वरदान माँगा कि मेरे होने वाले पुत्र की सभी शक्तियाँ आपकी शक्तियों से बढ़ कर हों। पुत्र इस संसार में असुरों का नाश करे और देवताओं की रक्षा करे। त्रिदेव ने तथास्तु कह दिया।सृष्टि के संहारक भगवान रुद्र ने अपने प्रिय हरि की अधिकाधिक सेवा करने व कलिकाल में भक्तों की रक्षा करने के लिये पवनदेव के पुत्र और वानरराज केसरी के क्षेत्रज पुत्र के रुप में अवतरित होने का निर्णय लिया। पवनदेव ने भी अंजना को वरदान दिया कि मैं अपनी बलरुपी वह शक्ति जिससे तीनों लोक कंपायमान हो जाते हैं, तुम्हारे पुत्र को प्रदान करुँगा।जन्म के समय इनका नाम मारुति रखा गया। यह माना जाता है कि, भगवान शिव ने पृथ्वी पर मनुष्य के रुप पुनर्जन्म 11वें रुद्र अवतार के रुप में हनुमान बनकर जन्म लिया; क्योंकि वे अपने वास्तविक रुप में भगवान श्री राम की सेवा नहीं कर सकते थे। मारुति को भूख लगी लेकिन कुछ खिलाने-पिलाने के लिये अंजना माता घर पर नहीं थी। उसी समय उदयाचल से उदित हो रहे अरुणाम सूर्य को मारुति ने मीठा फल समझ लिया। वे तुरन्त आकाश में उड़े और सूर्य तक पहुँच गए। मारुति को सूर्य की ऊष्मा से बचाने के लिये पवनदेव उसी समय भी पीछे-पीछे चल रहे थे।राहु भी अपनी सेना सहित वहाँ पहुँच गया। मारुति ने इसे भी मीठा फल समझ लिया और उस पर लपके। राहु शिकायत करने इन्द्रदेव के पास पहुंच गया। इस बीच मारुति ने राहु की राक्षसी सेना का अंत कर दिया। मारुति ने सूर्य को मीठा फल समझ कर अपने मुख में रख लिया। इन्द्र ने मारुति पर वज्र से प्रहार किया तो वे मूर्छित हो गये। यह देखकर पवनदेव को क्रोध आ गया। उन्होंने तुरन्त प्राणवायु का संचार बंद कर दिया। चारों ओर हाहाकार मच गया। ब्रह्माजी सभी देवताओं के साथ पवनदेव के पास पहुँचे। उन्होंने मारुति को स्पर्श किया तो उन्हें होश आ गया।मारुति को बाल्यावस्था में ही इन्द्र, कुबेर यम, वरुण, ब्रह्मा आदि देवताओं ने अनेकों वरदान दियेऔर आशीर्वाद दिया कि तुम पर सभी अस्त्र-शस्त्र प्रभावहीन रहेंगे। देवताओं ने इन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान भी दिया। सूर्यदेव ने गुरु बनकर विद्याज्ञान देने का वचन दिया। ब्रह्माजी ने पवनदेव से कहा, चतुम्हारा पुत्र शत्रुओं पर हमेशा भारी पड़ेगा, युद्ध मेंअजेय रहेगा। श्रीराम-रावण युद्ध में अपनाशौर्य दिखा कर श्रीराम को अति प्रसन्नता प्रदान करेगा।च् बाल-लीला करते समय मारुति ने राहु की सेना और साठ हजार मंदार नाम के राक्षसों का भी संहार कर दिया। इसलिये इनका एक नामच्राक्षसान्तकज्ज् भी है।इन्द्र के वज्र प्रहार से मारुति की हनु (जबड़ा) टेढ़ी हो गई। हनु वक्र हो जाने से इनका नाम हनुमान हो गया। ऐसे कार्य जो मनुष्य को ब्रह्म से विमुख करते हैं, उनका हनन कर सही मार्ग की ओर अग्रसर करने वाले को भी हनु (हनन करने वाला) कहते हैं। अपनी इस विशेषता के कारण भी ये हनुमान हैं।पाँच वर्ष की अल्प आयु में हनुमान विद्या अध्ययन के लिये अपने गुरु सूर्यदेव के पास पहुँच गए। सूर्यदेव ने मन में बालकों का खेल समझ कर बहाना किया। उन्होंने हनुमान से कहा, चमेरा तेज बहुत प्रचंड एवं असहनीय है। पीठ के पीछे बैठा कर शिक्षा नहीं दी जा सकती है। मेरे रथ में तुम्हारे बैठने के लिये प्रचुर स्थान उपलब्ध नहीं है। शिष्य तो गुरु के चरणों में बैठा हुआ ही अच्छा लगता है। लेकिन स्थानाभाव के कारण यह सम्भव नहीं है।च् प्रखर बुद्धि हनुमान को कहना पड़ा,चगुरुदेव आपका वेग तो मेरे एक कदम के बराबर है।ज् मैं आपको अपनी पीठ नहीं दिखाऊँगा।हनुमान ने भास्कर की ओर मुख करके पीठ की तरफ पैरों से प्रसन्नमन आकाशमार्ग में बालकों के खेल के समान गमन किया। मैं पीछे-पीछे पैर रख कर सदा आपके सन्मुख ही बना रहूँगा। आप कहते हैं कि आपका तेज असहनीय है, इसे मैं हर लूँगा और आप मेरे तेज से प्रकाशमान रहेंगे।हनुमान ने चौदह विद्याएँ चौदह दिन में सीख ली। इससे सूर्यदेव का तेज कम हो गया। गुरुशिष्य से प्रश्न पूछते थे लेकिन शिष्य द्वारा दिये गये उत्तर को समझ नहीं पाते थे। सूर्यदेव सोचनेलगे, इस चंचल वानर को विद्या प्रदान करने का वचन मैंने क्यों दिया होगा? अन्ततः सूर्यदेव ने श्रीहरि से विनती की, मेरे गुरु-पद की लाज अब आपके हाथ में है। श्रीहरि ने हनुमान को समझाया कि गुरु को पूरा सम्मान दो, शास्त्रों की मर्यादा रखो। तुम्हारी विद्या को इस संसार मेंलुप्त करनेवाला न कोई है और न कोई होगा।

मूर्ख दिवस- हमारा मजाक न बने किसी की पीड़ा का कारण

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला चमूर्ख दिवसज् केवल एक साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है।

यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक चप्रैंक्सज् के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने चस्पेगेटी ट्रीज् की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने चलेफ्ट-हैंड व्हॉपरज् बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और भी व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी चअप्रैल फूलज् समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं।

मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को चमूर्ख दिवसज् के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले ही यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय भी कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है।

हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए। किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है। मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है। वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है। यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है। ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। अंततः कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है। यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है।

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं।

प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हों। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो!

इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, चर्तुदर्शी, बुधवासरे, उत्तरा फाल्गुन नक्षत्रे, वृण योगे, वल करणे, कन्या की चंद्रमा, राक्षस योगे, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, जिद्दी, हठी, सैनिक, सिपाही, कमांडर, बिग्रेडियर, कर्नल तथा सेना नायक दरोगा तथा एसपी, आईजी विभाग का प्रधान कुशल वक्ता, अधिवक्ता होगा।

मेष राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष रुप से सतर्क रहे, शारीरिक कष्ट।
वृष राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से कार्य बाधा होगी तथा थकावट बेचैनी अस्थिरता होगी।
मिथुन राशि :- कुटुम्ब से तनाव, क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम, विघ्न ।
कर्क राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थिगित रखे तथा अनायास विरोध होगा।
सिंह राशि :- स्त्रीवर्ग से कष्ट व चिंता, उत्तम व्यवसाय रहेगा।
कन्या राशि :- अधिकारियों से तनाव, क्लेश से बचिए, दैनिक कार्यगति में बाधा।
तुला राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थिगित रखे, अग्निचोट आदि से बचे।
वृश्चिक राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य में बाधा होगी, ध्यान रखे।
धनु राशि :- व्यवसाय में बेचैनी, तनाव बनाए रहे, परिश्रम विफलता हो।
मकर राशि :- चोट कष्ट आदि, समय बनेगा, अशुद्ध गोचर रहने से कार्य हानि।
कुंभ राशि :- स्त्रीवर्ग संतान से तनाव, क्लेश व अशांति मानसिक विभ्रम।
मीन राशि :- समय ठीक नहीं, विशेष कार्य स्थिगित रखे तथा अनायास विभ्रम से बचे।

संभव को संभव बनाने की शक्ति एवं संकल्प

आज जब चैत्र मास की पूर्णिमा का चंद्रमा अपनी पूरी आभा के साथ आकाश में उदित होगा, तो धरती पर एक ऐसी ऊर्जा का संचार होगा जो सदियों से भारतीय जनमानस के रोम-रोम में बसी है। यह दिन केवल एक कैलेंडर की तिथि नहीं है, बल्कि उस महाशक्ति के अवतरण का उत्सव है जिसे हम हनुमान कहते हैं। हनुमान जी का व्यक्तित्व किसी परिचय का मोहताज नहीं है; वे घर-घर के रक्षक, संकटों के नाशक और हर व्याकुल हृदय के परम साथी हैं। उनकी महिमा का गान जितना सरल है, उनका जीवन दर्शन उतना ही गहरा और प्रेरणादायी है। उनकी सबसे बड़ी सुंदरता उनकी निस्वार्थ भक्ति में छिपी है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि ईश्वर को पाने के लिए किसी कठिन आडंबर की नहीं, बल्कि निर्मल मन और पूर्ण समर्पण की आवश्यकता होती है।

एक ओर जहाँ उनके पास लंका को भस्म करने और समुद्र को एक छलांग में लांघने की असीम शक्ति थी, वहीं दूसरी ओर वे प्रभु राम के चरणों में एक अबोध बालक की भांति विनत रहते थे। उनकी शक्ति में कोई अहंकार नहीं था और उनकी विनम्रता में कोई कमजोरी नहीं थी। जब उनसे उनकी अद्भुत सामर्थ्य का रहस्य पूछा गया, तो उन्होंने बड़ी सहजता से कहा कि जो कुछ भी है, वह केवल राम नाम की महिमा है। यह शून्य हो जाने का भाव ही उन्हें ब्रह्मांड का सबसे बड़ा भक्त बनाता है। अक्सर हम शक्ति को अधिकार और अधिपत्य से जोड़कर देखते हैं, लेकिन हनुमान जी ने शक्ति की परिभाषा ही बदल दी। उनके पास अष्ट सिद्धि और नव निधि का वरदान था, जिससे वे सूक्ष्म से सूक्ष्म और विशाल से विशाल रूप धर सकते थे, किंतु उन्होंने इस सामर्थ्य का उपयोग केवल जनकल्याण और प्रभु काज के लिए किया। यह संयम आज के नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी सीख है कि शक्ति जितनी अधिक हो, विनम्रता उतनी ही गहरी होनी चाहिए।

जब हम सुंदरकांड के प्रसंगों को पढ़ते हैं, तो पाते हैं कि हनुमान जी केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि एक चतुर कूटनीतिज्ञ और संवाद के ज्ञाता भी थे। लंका में विभीषण को अपनी ओर मिलाना हो या रावण की सभा में निर्भीकता से अपनी बात रखना, उनकी वाकपटुता बेमिसाल थी। वे सिखाते हैं कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी धैर्य नहीं खोना चाहिए और शत्रु के घर में भी मित्र ढूंढने की दृष्टि रखनी चाहिए। आज के प्रतिस्पर्धी युग में, जहाँ छोटी-छोटी असफलताओं पर लोग टूट जाते हैं, हनुमान जी का अटूट आत्मविश्वास एक संजीवनी की तरह काम करता है। उनका चरित्र हमें टीम वर्क और समर्पण की अनूठी शिक्षा देता है। लंका विजय के महाभियान में उन्होंने कभी भी श्रेय लेने की कोशिश नहीं की। जब भगवान राम ने उन्हें गले लगाया और भरत के समान प्रिय कहा, तब भी वे हाथ जोड़कर चरणों में ही बैठे रहे। यह दर्शाता है कि सच्चा सेवक वही है जो परिणाम की चिंता किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे और सफलता का श्रेय अपने आराध्य को सौंप दे।

आज के इस भागदौड़ भरे युग में हनुमान जी एक मैनेजमेंट गुरु की तरह नजर आते हैं। लक्ष्य कितना भी बड़ा क्यों न हो, मार्ग में कितनी भी बाधाएँ क्यों न आएं, हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि बुद्धि और पराक्रम के सही संतुलन से हर मुश्किल को जीता जा सकता है। लक्ष्मण जी के प्राण बचाने के लिए पूरी पहाड़ी उठा लाना यह दर्शाता है कि जब अपनों पर संकट आए, तो असंभव शब्द डिक्शनरी से बाहर कर देना चाहिए।

वे युवाओं के लिए एकाग्रता और अनुशासन के जीते-जागते उदाहरण हैं। उनकी लंगोट का त्याग और सिंदूरी चोला हमें सादगी और सात्विकता का मार्ग दिखाता है। हनुमान जयंती मनाना केवल मंदिरों में चोला चढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि आज के दौर में जब समाज में स्वार्थ बढ़ रहा है, तब हनुमान जी का सेवा परमो धर्म का संदेश एक प्रकाश स्तंभ की तरह है। हनुमान जी एक ऐसी वैश्विक चेतना है जो सीमाओं और मजहबों से परे है। दुनिया के कई देशों में उन्हें अलग-अलग नामों से पूजा जाता है, क्योंकि संकट हर इंसान के जीवन में आता है और हर इंसान को एक संकटमोचन की तलाश होती है। वे भय से मुक्ति का मार्ग हैं। जब हम नासै रोग हरै सब पीरा का जाप करते हैं, तो वह केवल शब्द नहीं होते, बल्कि एक अटूट विश्वास होता है जो हमारी कोशिकाओं में नई ऊर्जा भर देता है। हनुमान जी का नाम ही पर्याप्त है मन के हर संशय और दुर्बलता को मिटाने के लिए। जैसे-जैसे आज का दिन चढ़ेगा, हर ओर जय सिया राम के उद्घोष गूंजेंगे। लेकिन सच्ची पूजा तब होगी, जब हम उनके साहस को अपने आचरण में और उनकी करुणा को अपने व्यवहार में उतारेंगे। हनुमान जी चिरंजीवी हैं, वे कल भी थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। वे हर उस व्यक्ति के साथ हैं जो धर्म और सत्य की राह पर अडिग है।

फिल्म वर्ग पहेली - 7159

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ परियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेखा की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, संध्या, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज मानी मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे ज़माने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, मुग्धा की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरुख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'अरे गोरी तू काली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुआ आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा ने माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल को' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राकेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्पड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7158

दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह के साथ झड़प में आईडीएफ के चार जवानों की मौत

तेल अवीव। इजरायली सेना ने घोषणा की है कि दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह के साथ हुई झड़प में आईडीएफ के चार जवान की मौत हुई और दो अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान 22 वर्षीय कैप्टन नोआम मदमोनी, 21 वर्षीय स्टाफ सार्जेंट बेन कोहेन, 21 वर्षीय, स्टाफ सार्जेंट मैक्सिम एंटिस के रूप में हुई है। ये सभी नाहल ब्रिगेड की यूनिट में तैनात थे।इजराइली सेना का कहना है कि चौथे जवान का नाम बाद में बताया जाएगा। इसके अलावा एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया और एक आरक्षित सैनिक को मामूली चोटें आई हैं।

नरम पड़े ट्रंप के तेवर, होर्मुज जलमार्ग को पूरी तरह खोले बिना ही युद्ध समाप्ति के दिए संकेत

वाशिंगटन। ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख में एक बड़ा और चौंकाने वाला बदलाव देखने को मिल रहा है। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, ट्रंप अब इस सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए तैयार दिख रहे हैं, भले ही रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) पूरी तरह से दोबारा न खुले। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट के बयानों से यह स्पष्ट हुआ है कि इस अहम तेल मार्ग को तत्काल खोलना अब अमेरिकी जीत के लिए अनिवार्य शर्त नहीं माना जा रहा है। ट्रंप ने अपने करीबियों और सहयोगियों से चर्चा के दौरान संकेत दिए हैं कि युद्ध की प्राथमिकताओं को अब नए सिरे से परिभाषित किया गया है।

ईरानी हमलों के कारण तेल अवीव में लगातार बज रहे हवाई हमलों के सायरन

तेल अवीव। इजरायल की राजधानी तेल अवीव में हाल ही में हवाई हमलों के सायरन 12 घंटे की शांति के बाद फिर से गूंज उठे हैं। अलग-अलग इलाकों में कुल 1,230 से अधिक बार अलर्ट बजाए गए, जो युद्ध की तीव्रता का संकेत हैं। इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बीते 24 घंटों में ईरान के 170 ठिकानों पर हमला किया और करीब 400 बम और अन्य एम्यूनिशन का इस्तेमाल किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति की बातचीत की बात कर रहे हैं, लेकिन जमीन पर दोनों पक्ष लगातार पलटवार कर रहे हैं।

एपिस्टीन सेक्स कांड में प्रभावित पीड़ितों को 686 करोड़ का मुआवजा देगा बैंक

वाशिंगटन।अमेरिका में चर्चित जेफ्री एपिस्टीन सेक्स कांड से जुड़े मामले में बैंक ऑफ अमेरिका ने प्रभावित पीड़ितों को करीब 686 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मुआवजे के तौर पर देने पर सहमति जताई है।

यह भुगतान उन लोगों के लिए होगा, जो वर्ष 2008 से 2019 के बीच कथित शोषण का शिकार हुए थे और जिन्होंने बैंक की भूमिका पर सवाल उठाए थे।

ईरान ने अमेरिकी-इजरायली जहाजों पर लगाया प्रतिबंध
अब दूसरों से वसूलेगा टोल टैक्स

तेहरान। ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने सामरिक रूप से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) के लिए एक नई प्रबंधन योजना को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस नए कानून के तहत अब इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर न केवल टोल वसूला जाएगा, बल्कि अमेरिका और इजरायल के जहाजों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, यह कदम इस जलमार्ग पर तेहरान के नियंत्रण को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक ब?ा फैसला है।

ईरान द्वारा तैयार की गई इस नई प्रबंधन योजना में जहाजों के लिए रियाल आधारित टोल सिस्टम लागू किया गया है। इसमें समुद्री सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और वित्तीय नियमों से जु?ी क?ी शर्तें शामिल की गई हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस योजना के अंतर्गत उन देशों के जहाजों पर भी प्रतिबंध ब?ाने का प्रस्ताव है जो ईरान पर एकतरफा प्रतिबंध लगाते हैं। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह ओमान के साथ मिलकर इस जलमार्ग के प्रबंधन के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार कर रहा है, ताकि इस क्षेत्र पर अपनी संप्रभुता को पुनः स्थापित किया जा सके। दुनिया के कुल तेल व्यापार का एक ब?ा हिस्सा इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है, ऐसे में ईरान का यह फैसला वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

दूसरी ओर, अमेरिका इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को खुला रखने के अपने प्रयासों में अब तक विफल नजर आ रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक साक्षात्कार में स्वीकार किया है कि वर्तमान में विभिन्न देश ईरानी शासन के साथ अलग-अलग समझौते कर रहे हैं ताकि उनके जहाजों की आवाजाही सुरक्षित रह सके। हालांकि, उन्होंने यह भी दावा किया कि आने वाले समय में अमेरिका बहुराष्ट्रीय एस्कॉर्ट या सैन्य सुरक्षा के जरिए इस मार्ग पर फिर से नियंत्रण हासिल करेगा ताकि स्वतंत्र नौवहन सुनिश्चित किया जा सके। अमेरिका की इस रणनीति का उद्देश्य ईरान के बढ़ते प्रभुत्व को कम करना है। इस पूरे घटनाक्रम पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। उन्होंने ईरान को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को व्यापार के लिए तुरंत नहीं खोला गया और कोई समझौता नहीं हुआ, तो ईरान को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप ने संकेत दिया है कि ऐसी स्थिति में अमेरिका ईरान के ऊर्जा ढांचे, तेल कुओं, बिजली संयंत्रों और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप को पूरी तरह नष्ट कर सकता है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती यह तल्खी अब एक ब? सैन्य और आर्थिक टकराव की ओर ब?ती दिख रही है, जिसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय माना जा रहा है।

पाकिस्तान में गैस पाइपलाइन पर हमला, एलपीजी संकट और नई साजिश के संकेत

कराची। पाकिस्तान इन दिनों भयंकर ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। पहले ही देश में एलपीजी की कमी जनता को परेशान कर रही थी, लेकिन अब क्वेटा, बलूचिस्तान में बड़ी गैस पाइपलाइन पर बम हमला हुआ है। 30 मार्च 2026 को क्वेटा शहर के बाहर अख्तराबाद वेस्टर्न बायपास पर सुई सदर्न गैस कंपनी की 18 इंच की मुख्य पाइपलाइन को विस्फोटक कर उड़ा दिया गया। विस्फोट इतना तेज था कि आग की लपटें दूर से दिखाई दीं और वॉल्व असेंबली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

हमले के बाद क्वेटा और आसपास के जिलों जैसे हजारा टाउन, हजरगंजी, खरोटाबाद, मस्तुंग, कलात, पिशिन, कुचलाक और जियारत में गैस सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई। प्राथमिक जांच में पता चला है कि पाइपलाइन के नीचे विस्फोटक लगाए गए थे। फिलहाल किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

विशेषज्ञों और आम लोगों का मानना है कि यह केवल आतंकवादी हमला नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत किया गया है, जिसका उद्देश्य देश को अस्थिर करना और ऊर्जा संकट को बढ़ाना है। बलूचिस्तान पहले ही पाकिस्तान का सबसे अशांत प्रांत रहा है, जहां अलगाववादी विद्रोही और इस्लामिक आतंकवादी समूह अक्सर गैस पाइपलाइनों को निशाना बनाते रहे हैं।

सुई सदर्न गैस कंपनी ने स्पष्ट रूप से बताया है, जबकि काउंटर टेररिज्म विभाग ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पाकिस्तान पहले से ही एलएनजी और एलपीजी की आपूर्ति के लिए कतर और यूएई पर निर्भर है। मध्यपूर्व में युद्ध और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में रुकावटों के कारण आयात प्रभावित हो रहा है। घरेलू पाइपलाइनों पर हमला इस संकट को और बढ़ा रहा है। उद्योगों और आम नागरिकों को गैस कटौती का सामना करना पड़ रहा है, और ठंड के मौसम में खाना पकाने जैसी बुनियादी जरूरतें भी प्रभावित हो रही हैं। पाकिस्तान सरकार ने पहले ही ऊर्जा बचत के लिए कड़े कदम उठाए हैं, लेकिन पाइपलाइन पर हमला लोगों पर दबाव बढ़ाने और देश की आंतरिक अस्थिरता बढ़ाने का नया खतरा पेश करता है।

वैचारिक मतभेदों पर खुलकर बोलीं उषा वेंस, पति के हर विचार से सहमत होना जरूरी नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका की सेकंड लेडी उषा वेंस ने अपने पति और देश के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ अपने रिश्तों और वैचारिक भिन्नता को लेकर बेहद बेबाकी से अपनी राय रखी है। एक हालिया साक्षात्कार में उषा ने स्पष्ट किया कि एक पत्नी होने के नाते उन पर कभी भी अपने पति के सभी राजनीतिक विचारों या नीतियों से सहमत होने का कोई दबाव नहीं रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे पेशेवर तौर पर जेडी वेंस की टीम या स्टाफ का हिस्सा नहीं हैं, इसलिए हर मुद्दे पर दोनों की एक ही राय हो, ऐसी उम्मीद करना भी सही नहीं है।

उषा वेंस के अनुसार, एक दंपति के रूप में उनके बीच संवाद का स्तर बहुत खुला और पारदर्शी है। उन्होंने बताया कि वे दोनों अक्सर विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हैं और एक ऐसी जीवनसंगिनी के तौर पर जो उनसे प्रेम करती है और उन्हें सफल देखना चाहती है, वे हमेशा अपनी सार्थक राय जेडी वेंस के सामने रखती हैं। उषा ने कहा कि भले ही कई बार उनके बीच असहमति हो, लेकिन उनके बीच होने वाली बातचीत हमेशा फलदायी और सकारात्मक होती है। उन्होंने यह भी साझा किया कि हालांकि उपराष्ट्रपति के पास नीतिगत सलाहकारों की एक बड़ी टीम मौजूद है, लेकिन जब भी कोई व्यक्तिगत मसला जेडी वेंस को परेशान करता है, तो वे अपनी पत्नी के पास ही मशवरा करने आते हैं। साक्षात्कार के दौरान उषा ने अपनी राजनीतिक पहचान पर भी स्थिति साफ की। गौरतलब है कि उषा वेंस वर्ष 2014 तक एक पंजीकृत डेमोक्रेट थीं और उन्होंने जेडी वेंस के सीनेट चुनाव लड़ने के दौरान पहली बार रिपब्लिकन पार्टी को वोट दिया था। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी पुरानी और वर्तमान पहचान के साथ इस राजनीतिक दुनिया में रहने में कोई संकोच नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनसे कभी भी किसी तरह का लिटमस टेस्ट देने को नहीं कहा गया और वे आज भी वही इंसान हैं जो 2014 में थीं। जब उनसे जेडी वेंस के 2028 में राष्ट्रपति पद के चुनाव लड़ने की संभावनाओं पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने बहुत ही कूटनीतिक जवाब दिया। उषा ने कहा कि वर्तमान में जेडी का पूरा ध्यान मध्यावधि चुनावों और देश की समसामयिक घटनाओं पर केंद्रित है।

तुर्की पर मिसाइल से हमला- ईरान ने किया इंकार, फाल्स फ्लैग ऑपरेशन की आशंका

नाटो ने इंटरसेप्ट किया मिसाइल, अमेरिका-इज़राइल पर संभावित साजिश के आरोप

इस्तांबुल। तुर्की में हाल ही में एक मिसाइल हमले की खबर सामने आई, जिसे नाटो के एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट किया। प्रारंभिक रिपोर्ट्स में इसे ईरान से दागे जाने का दावा किया गया था, लेकिन ईरान ने स्पष्ट रूप से इस बात से इंकार किया है। ईरान का कहना है कि उसने तुर्की या उसके पड़ोसी देशों पर कोई हमला नहीं किया है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर यह हमला ईरान की ओर से नहीं किया गया था, तो इसे फाल्स फ्लैग ऑपरेशन के तौर पर देखा जा सकता है। इसका उद्देश्य संभावित रूप से नाटो देशों को युद्ध में खींचना और क्षेत्रीय तनाव बढ़ाना हो सकता है। इस संदर्भ में अमेरिका और इज़राइल पर ऐसे साजिश के आरोप लग रहे हैं।

तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगान ने स्थिति को संभालते हुए कहा कि यदि कुर्दिश लड़ाके ईरान में हमले की योजना बनाते हैं तो तुर्की इसे गंभीरता से लेगा। उन्होंने किसी भी उकसावे या प्रतिक्रिया में संयम बरतने का संकेत दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि तुर्की, जो नाटो का सदस्य है, ने फिलहाल युद्ध में शामिल होने से खुद को अलग रखा है, ताकि क्षेत्रीय जटिलता और नाटो देशों की भागीदारी पर कोई दबाव न पड़े। मिडिल ईस्ट के पड़ोसी देश जैसे मिस्र और अजरबैजान भी इस घटना पर सतर्क हैं।

यह घटना चौथी बार सामने आई है जब तुर्की पर कथित मिसाइल हमला हुआ है और सभी बार ईरान ने हमले से इंकार किया।

जैश सरगना मसूद अजहर को लगा झटका, भाई और आतंकी मास्टरमाइंड ताहिर अनवर की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के भीतर उस समय हड़कंप मच गया जब इसके सरगना मसूद अजहर के बड़े भाई ताहिर अनवर की अचानक मौत की खबर सामने आई। ताहिर की मौत का कारण अभी भी रहस्य बना हुआ है। मसूद अजहर, जो पहले ही ऑपरेशन सिंदूर में अपने परिवार के कई सदस्यों को खो चुका है, उसके लिए ताहिर की मौत एक अपूरणीय क्षति मानी जा रही है।

ताहिर अनवर महज मसूद अजहर का भाई नहीं था, बल्कि वह जैश-ए-मोहम्मद के तमाम आतंकी मंसूबों का मुख्य रणनीतिकार और फ्रेमवर्क तैयार करने वाला मास्टरमाइंड था। 11 भाई-बहनों में सबसे बड़ा होने के कारण ताहिर का कद संगठन में बहुत ऊंचा था। साल 2000 में जैश की स्थापना के समय से ही उसने पर्दे के पीछे रहकर सैन्य मामलों की कमान संभाली थी। जहां मसूद अजहर सार्वजनिक रूप से जहर उगलने और संगठन का चेहरा बनने के लिए जाना जाता था, वहीं ताहिर ने कभी खुद को सार्वजनिक नहीं किया। वह बहावलपुर स्थित जैश के मुख्यालय मरकज उस्मान ओ अली से ही अपनी गतिविधियों को संचालित करता था।आतंकी संगठन में ताहिर अनवर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। उसे संगठन की रीढ़ माना जाता था क्योंकि आतंकियों की भर्ती से लेकर उनके प्रशिक्षण शिविरों के संचालन तक की पूरी जिम्मेदारी उसी के पास थी। हाल ही में ताहिर ने एक बेहद खतरनाक कदम उठाते हुए जैश की महिला आतंकी विंग जमात उन मोमिनत की शुरुआत की थी। वह इन महिलाओं को आतंकी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित कर रहा था ताकि संगठन को एक नया और घातक विस्तार दिया जा सके। मसूद अजहर के लिए यह झटका इसलिए भी गहरा है क्योंकि10 सदस्यों सहित 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

नासा का आर्टेमिस सेंकड मिशन 54 साल बाद इंसानों को चांद के पास ले जाएगा........आज होगा लांच

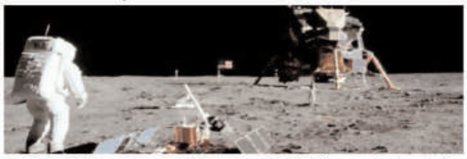

वाशिंगटन। नासा अपने सबसे महत्वाकांक्षी मिशन को शुरू करने को तैयार है। आर्टेमिस सेंकड मिशन 54 साल बाद इंसानों को चांद के पास ले जाएगा। चार अंतरिक्ष यात्री ओरियन कैप्सूल में बैठकर विशालकाय एसएलएस रॉकेट से उड़ान भरने वाले है। यह मिशन लांच 1 अप्रैल 2026 को फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से होने वाला है। यह मिशन करीब 10 दिन का होगा। इसमें चांद के चारों ओर घूमकर वापस पृथ्वी आना है। चांद पर उतरना नहीं है।

आर्टेमिस सेंकड के अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी से सबसे ज्यादा दूर जाएंगे। वे चांद के पास तक करीब 4 लाख 2 हजार किलोमीटर दूर पहुंचने वाले है। यह अपोलो 13 मिशन से भी 2414 किलोमीटर ज्यादा दूरी है।

मिशन फ्री-रिटर्न ट्रैजेक्टरी पर चलेगा यानी चांद के पीछे से घूमकर बिना रॉकेट जलाए वापस आ जाएंगे। चांद के पीछे जाते समय 50 मिनट तक रेडियो संपर्क भी नहीं रहेगा। यह रिकॉर्ड लंबे समय तक कायम रह सकता है क्योंकि आगे के मिशन इस तरह की ट्रैजेक्टरी नहीं अपनाएंगे। इस मिशन में अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर वापस आने के समय सबसे तेज स्पीड से आएंगे। उनकी री-एंट्री स्पीड 40200 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा होगी। जो कि अपोलो 10 के रिकॉर्ड को तोड़ देगी। इतनी तेज स्पीड से आने पर ओरियन कैप्सूल के हीट शील्ड पर बहुत ज्यादा गर्मी पड़ेगी। नासा का कहना है कि हीट शील्ड इस गर्मी को सहन कर लेगी। इस वजह से ये अंतरिक्ष यात्री इतिहास के सबसे तेज इंसान भी बन जाएंगे। पायलट विक्टर ग्लोवर इस मिशन में इतिहास रचने वाले है। वे चांद के पास जाने वाले पहले ब्लैक अंतरिक्ष यात्री बनने वाले है। वे पहले भी स्पेस स्टेशन जा चुके हैं। स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल को पायलट करने वाले पहले व्यक्ति हैं। आर्टेमिस सेंकड में वे ओरियन कैप्सूल को भी थोड़ी देर के लिए मैन्युअल कंट्रोल करेगा। मिशन स्पेशलिस्ट क्रिस्टीना कोच पहली महिला बनेंगी जो लो अर्थ ऑर्बिट से आगे चंद्रमा के पास जाएगी। उन्होंने पहले स्पेस स्टेशन पर महिला का सबसे लंबा लगातार स्पेस फ्लाइट रिकॉर्ड 328 दिन का बनाया था। उन्होंने पहले सभी महिला स्पेसवॉक में भी हिस्सा लिया था।

इस्फहान में अमेरिकी हमला: 2000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों से ईरान के ठिकाने तबाह

-ट्रंप ने शेयर किया धमाकों का वीडियो, मिडिल ईस्ट में बढ़ा तनाव

वाशिंगटन। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच टकराव और तेज हो गया है। ताजा जानकारी के मुताबिक, अमेरिका ने इस्फहान में एक बड़े हथियार गोदाम को निशाना बनाते हुए 2000 पाउंड (करीब 907 किलोग्राम) के 'बंकर-बस्टर' बमों से हमला किया है। इस कार्रवाई का उद्देश्य ईरान की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करना बताया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हमले में अत्याधुनिक पेनेट्रेटर म्यूनिशन का इस्तेमाल किया गया, जो जमीन के भीतर गहराई तक बने कंक्रीट संरक्षित ठिकानों को भी भेदने में सक्षम होते हैं। बताया जा रहा है कि हमले में इस्फहान स्थित एक अहम गोला-बारूद डिपो को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इससे पहले भी 7-8 मार्च को इसी क्षेत्र में हमले किए गए थे। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों का कहना है कि 'बंकर-बस्टर' बम विशेष रूप से भूमिगत सैन्य ठिकानों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। इनकी क्षमता इतनी अधिक होती है कि ये मजबूत कंक्रीट संरचनाओं को भेदकर अंदर विस्फोट करते हैं, जिससे व्यापक तबाही होती है।

हमले के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस घटना से जुड़ा एक वीडियो साझा किया। वीडियो में रात के अंधेरे में जोरदार धमाके, आग की लपटें और आसमान में उठता धुएं का गुबार साफ नजर आ रहा है। इन विस्फोटों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस हमले के बाद क्षेत्र में पहले से जारी तनाव और बढ़ सकता है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच टकराव की स्थिति पहले ही गंभीर बनी हुई है, और इस तरह की सैन्य कार्रवाई से हालात और जटिल हो सकते हैं।

हालांकि, इस हमले में हुए वास्तविक नुकसान या हताहतों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

चीन में निर्माणाधीन टनल में भीषण धमाका, 4 मजदूरों की मौत, 09 घायल

ज्वलनशील गैस बनी विस्फोट का कारण, निर्माण कार्य रोका गया

बीजिंग। दक्षिण-पश्चिम चीन के चोंगकिंग क्षेत्र में एक निर्माणाधीन सुरंग में हुए भीषण विस्फोट ने चार मजदूरों की जान ले ली, जबकि 9 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सोमवार दोपहर उस समय हुआ, जब एक राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तहत सुरंग निर्माण का काम चल रहा था।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, यह सुरंग हुबेई और सिचुआन प्रांतों को जोड़ने के लिए बनाई जा रही थी। वानझोउ जिला परिवहन आयोग ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि मौके पर मौजूद कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के बाद एक मजदूर लापता हो गया था और 12 लोग घायल बताए गए थे। बाद में बचाव दल ने मलबे से लापता व्यक्ति का शव बरामद किया, जबकि अस्पताल में इलाज के दौरान तीन अन्य घायलों ने दम तोड़ दिया। इस प्रकार मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई। जांच में शुरुआती तौर पर सामने आया है कि सुरंग के भीतर ज्वलनशील गैस जमा हो गई थी, जिससे यह विस्फोट हुआ। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि हादसे के सही कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत तकनीकी जांच जारी है। घटना के बाद प्रशासन ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। साथ ही, सुरक्षा के मद्देनजर निर्माण कार्य को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है।

ईरान पर परमाणु हमले की गुप्त तैयारी का आरोप लगा मोहमद साफा ने दिया इस्तीफा

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र से जुड़े एक वरिष्ठ पूर्व राजनयिक मोहम्मद साफा ने अपने पद से अचानक इस्तीफा देकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हड़कंप मचा दिया है। साफा ने अपने इस्तीफे के साथ एक खौफनाक दावा किया है कि यह वैश्विक संस्था ईरान में परमाणु हथियारों के संभावित इस्तेमाल से जुड़े एक गुप्त परिदृश्य की गुपचुप तरीके से तैयारी कर रही है। हालांकि, उनके इस सनसनीखेज दावे की अभी तक किसी स्वतंत्र स्रोत से पुष्टि नहीं हुई है और न ही संयुक्त राष्ट्र की ओर से इस पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने आया है।

मोहम्मद साफा संयुक्त राष्ट्र में पैट्रियॉटिक विजन ऑर्गनाइजेशन (पीवीए) के मुख्य प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत थे, जिसे संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद के साथ विशेष सलाहकार का दर्जा प्राप्त है। साफा पिछले एक दशक से अधिक समय से इस संगठन से जुड़े थे और 2013 से इसके कार्यकारी निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए साफा ने एक विस्तृत पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि संयुक्त राष्ट्र के भीतर कुछ शीर्ष अधिकारी एक अत्यंत शक्तिशाली लॉबी के प्रभाव में हैं।

साफा ने अपने पत्र में चेतावनी देते हुए लिखा कि लोग स्थिति की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि तेहरान जैसी घनी आबादी वाले क्षेत्रों में परमाणु हथियारों के उपयोग की तैयारी चल रही है, जिसके परिणाम विनाशकारी होंगे। उन्होंने कहा, मैंने यह जानकारी सार्वजनिक करने के लिए अपना राजनयिक करियर दांव पर लगा दिया है ताकि बहुत देर होने से पहले परमाणु सर्दी के खतरे को रोका जा सके। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अक्टूबर 2023 के संघर्ष के बाद से अलग विचार रखने के कारण उन्हें निरंतर सेंसरशिप और धमकियों का सामना करना पड़ रहा था। फिलहाल संयुक्त राष्ट्र ने इन गंभीर आरोपों पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है।

हालांकि, बिना किसी आधिकारिक पुष्टि के भी इस दावे ने पश्चिम एशिया के मौजूदा संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रंगसंसार

संजय कपूर के परिवार में बढ़ी तनातनी

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति और बिजनेसमैन संजय कपूर के निधन के बाद उनका परिवार एक बड़े कानूनी विवाद में घिर गया है। यह विवाद करीब 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति से जुड़े आरके फैमिली ट्रस्ट को लेकर सामने आया है, जिसने परिवार के भीतर मतभेदों को उजागर कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस ट्रस्ट को लेकर संजय कपूर की पत्नी प्रिया सचदेव कपूर, मां रानी कपूर, बहन मंधिरा कपूर स्मिथ और बच्चों के बीच अधिकारों को लेकर असहमति बढ़ गई है। परिवार के सदस्य ट्रस्ट के नियंत्रण और संपत्ति के बंटवारे को लेकर अलग-अलग दावे कर रहे हैं, जिससे मामला और जटिल होता जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि इस विवाद ने अब कानूनी रूप ले लिया है और आने वाले समय में यह मामला अदालत तक पहुंच सकता है। परिवार के भीतर चल रही इस तनातनी ने न सिर्फ निजी रिश्तों पर असर डाला है, बल्कि इसे एक बड़े आर्थिक विवाद के रूप में भी देखा जा रहा है। फिलहाल, इस पूरे मामले पर सभी पक्षों की नजर बनी हुई है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि यह विवाद किस दिशा में जाता है और इसका क्या समाधान निकलता है।

टेलर लॉटनर बनने वाले हैं पिता

हॉलीवुड स्टार टेलर लॉटनर और उनकी पत्नी टेलर डोम ने अपने फैंस को बड़ी खुशखबरी दी है। कपल जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाला है। इस खास खबर को टेलर ने हाल ही में सोशल मीडिया के जरिए साझा किया, जिसके बाद से उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। टेलर लॉटनर ने पत्नी के साथ एक जॉइंट इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, च्दो टेलर लॉटनर से बेहतर क्या हो सकता है?ज्ज् इस पोस्ट के साथ कपल ने अपनी खुशी जाहिर की और संकेत दिया कि अब उनका परिवार दो से बढ़कर तीन होने जा रहा है। पोस्ट सामने आते ही फैंस और सेलेब्स ने उन्हें शुभकामनाओं से भर दिया। शेयर की गई तस्वीरों में कपल एक खूबसूरत खुले मैदान में नजर आ रहा है। दोनों अल्ट्रासाउंड की तस्वीरें दिखाते हुए बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। एक खास तस्वीर में टेलर अपनी पत्नी के बेबी बंप को प्यार से किस करते नजर आए, जिसने फैंस का दिल जीत लिया। टेलर लॉटनर और टेलर डोम की लव स्टोरी भी काफी दिलचस्प रही है। दोनों ने साल 2018 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था।

द ट्रेटर्स 2 को लेकर अटकलें तेज

ओटीटी की दुनिया में चर्चित रियलिटी शो द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन को लेकर नई चर्चाएं सामने आ रही हैं। खबरें हैं कि मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी को इस शो के लिए अप्रोच किया गया है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में इस तरह की अटकलें लगातार जोर पकड़ रही हैं। इस शो को करण जौहर होस्ट कर रहे हैं और पहले सीजन की सफलता के बाद दूसरे सीजन को लेकर दर्शकों में पहले से ही काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। ऐसे में कास्टिंग से जुड़ी हर छोटी-बड़ी खबर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। हालांकि, शो के मेकर्स की ओर से अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि अनुभव सिंह बस्सी को शो में शामिल होने का ऑफर दिया गया है या नहीं। फिलहाल यह खबरें महज चर्चाओं और अफवाहों तक ही सीमित हैं। फिर भी, अगर बस्सी जैसे लोकप्रिय कॉमेडियन इस शो का हिस्सा बनते हैं, तो यह दर्शकों के लिए खास आकर्षण साबित हो सकता है। च्द ट्रेटर्सज् अपने अनोखे फॉर्मेट के लिए जाना जाता है, जिसमें भरोसे और धोखे का खेल दर्शकों को बांधे रखता है। यही वजह है कि हर नए सीजन के साथ इसकी कास्टिंग को लेकर उत्सुकता और बढ़ जाती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या ये चर्चाएं सच साबित होती हैं या महज अटकलें ही रह जाती हैं।

मलाइका ने अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद उनके नाम हर्ष मेहता और सोराब बेदी जैसे लोगों के साथ जोड़े जाते रहे हैं। हाल ही में एक पार्टी में सोराब बेदी के साथ उनकी नजदीकियों को लेकर भी डेटिंग की अटकलें तेज हो गई थीं, हालांकि सोराब बेदी पहले ही साफ कर चुके हैं कि दोनों के बीच केवल दोस्ती है और इससे अधिक कुछ नहीं है। इन लगातार चल रही अफवाहों पर अब खुद मलाइका अरोड़ा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि इस तरह की खबरें उन्हें काफी परेशान करती हैं, लेकिन अब वह इन्हें गंभीरता से लेने के बजाय हल्के में लेने लगी हैं। उन्होंने बताया कि वह और उनके बेटे अरहान खान इन अफवाहों पर हंसते हैं और इन्हें नजरअंदाज करते हैं। मलाइका की निजी जिंदगी पहले भी सुर्खियों में रही है। उनकी शादी अरबाज खान से करीब 19 साल तक चली थी, जिसके बाद दोनों का तलाक हो गया। इसके बाद वह अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप में रहीं, जो कुछ समय बाद समाप्त हो गया। वर्तमान में मलाइका का कहना है कि उन्हें किसी रिश्ते में जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है। वह अपनी जिंदगी अपने तरीके से जी रही हैं और जो भी होना होगा, वह समय पर अपने आप होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने मौजूदा जीवन से संतुष्ट हैं और नए सिरे से शुरुआत करने का यह दौर उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

दैनिक पंचांग

1 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.36 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृष	08.16 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.14 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.27 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.44 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.56 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.06 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.21 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.37 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मकर	01.42 बजे से
		कुंभ	03.29 बजे से
		मीन	05.01 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 91 वा दिन दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 07.07 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 16.18 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 14.51 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 07.07 बजे तदनन्तर विष्टि 19.21 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 28' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872666 **जूलियन दिन** 2461131.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 12 **विशेष** पंगुनी उथिरम, बैंक अवकाश, हाटकेश्वर जयंती, गुरु हरकिशन पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सुभाष घई अब एनीमेशन की दुनिया में बढाएंगे कदम

बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्देशक सुभाष घई अब एनीमेशन की दुनिया में कदम रखने जा रहे है। इसके लिए उनकी कंपनी मुक्ता आर्ट लिमिटेड ने ग्रीन गोल्ड एनिमेशन प्रायवेट लिमिटेड के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इस कार्य के लिए मुक्ता आर्ट्स की नई डिवीजन एसजीएम स्टूडियो स्थापित की गई है, जो ग्रीन गोल्ड के साथ मिलकर एनीमेशन फिल्में और वेब सीरीज का निर्माण करेगी। इस पहल को भारतीय मनोरंजन उद्योग में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। सुभाष घई ने इस नई शुरुआत की जानकारी अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए दी, जहां उन्होंने एसजीएम स्टूडियो का लोगो साझा करते हुए कहा कि उनकी कंपनी अब वैश्विक दर्शकों के लिए एनीमेशन कंटेंट तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस साझेदारी का उद्देश्य भारतीय कहानियों और सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

घई के अनुसार, एनीमेशन एक ऐसा माध्यम है जो बच्चों और परिवारों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और इसके जरिए भारतीय कहानियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है। ग्रीन गोल्ड एनीमेशन के साथ साझेदारी को लेकर घई ने विशेष उत्साह जताया। उन्होंने कहा कि यह कंपनी पहले ही छोटा भीम जैसे लोकप्रिय शो के जरिए अपनी क्षमता साबित कर चुकी है। इस प्रोजेक्ट में ग्रीन गोल्ड के प्रमुख राजीव छिल्लाका की अहम भूमिका होगी, जिनके अनुभव से इस सहयोग को मजबूती मिलने की उम्मीद है। घई का मानना है कि च्छोटा भीमज् और च्नरसिम्हाज् जैसे प्रोजेक्ट्स की सफलता भारतीय एनीमेशन इंडस्ट्री के उज्ज्वल भविष्य का संकेत देती है। सुभाष घई पहले भी कई नए कलाकारों और तकनीकों को प्रोत्साहित करते रहे हैं, और अब वह एनीमेशन के जरिए अपनी रचनात्मकता को नए आयाम देने की योजना बना रहे हैं।

उन्होंने पहले एक कार्यक्रम में यह संकेत भी दिया था कि वह अपनी क्लासिक फिल्म कालीचरण को एनीमेशन के रूप में पेश करना चाहते हैं। उनका कहना है कि फिल्म की मूल कहानी को बरकरार रखते हुए इसे नए अंदाज और तकनीक के साथ प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि यह आज की युवा पीढ़ी को भी आकर्षित कर सके। यह साझेदारी न केवल सुभाष घई के करियर में एक नया अध्याय जोड़ती है, बल्कि भारतीय एनीमेशन इंडस्ट्री के विकास को भी नई दिशा देने वाली मानी जा रही है।

नितीश बाबू कब मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ेंगे?

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा का चुनाव जीत गए हैं। चुनाव जीतने के बाद अभी तक उन्होंने मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने अपने वारिस की घोषणा भी नहीं की है। जिसके कारण मुख्यमंत्री पद को लेकर ऊहापोह की स्थिति मची हुई हैं। नितीश बाबू कब अपनी कही हुई बात से पलट जाएं, इसका कोई भरोसा नहीं है। बिहार में सभी हैरान और परेशान हैं। नितीश बाबू जरूर मस्त हैं।

तय समय के पहले खत्म होगा संसद सत्र?

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। कई राज्यों में नामांकन प्रक्रिया भी पूरी हो गई है। ऐसी स्थिति में आशंका जताई जा रही है। एक सप्ताह पूर्व संसद सत्र खत्म हो सकता है। सरकार ने अधिकांश बिल पास करा लिए हैं। महिला आरक्षण विधेयक को पांच राज्यों में चुनाव का मुद्दा भाजपा बनाना चाहती है। इसके लिए एक नया गेम संसद में भाजपा ने तैयार किया, यह गेम सफल होगा या नहीं। पांच राज्यों के चुनाव में इसे भाजपा मुद्दा बनाएगी। गैस- पेट्रोल संकट, एपिस्टीन फाइल इत्यादि से सरकार को सत्र समाप्त होते ही मुक्ति मिल जाएगी। पांच राज्यों का चुनाव जीतना भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकता हो जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 140 करोड लोगों का समर्थन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के नोएडा में एशिया की सबसे बड़े हवाई अड्डे का उद्घाटन किया है। अगले वर्ष उत्तर प्रदेश के चुनाव होने वाले हैं। यहां पर उपस्थित लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोबाइल फोन से फ्लैश लाइट जलाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।इस उपस्थिति को प्रधानमंत्री ने 140 करोड़ जनता का विश्वास जताया है। बड़ी संख्या में लोग इस उद्घाटन कार्यक्रम के लिए बुलाए गए थे।140 करोड लोगों ने मोदी जी के ऊपर कैसे विश्वास जताया है।यह वही जानते हैं। ऐसा विपक्षी दल के लोग कह रहे हैं।

ममता सरकार के खिलाफ गृहमंत्री की चार्ज शीट

अभी तक कानून व्यवस्था में पुलिस को अधिकार है। वह न्यायालय में चार्ज शीट पेश करती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल के दौरे पर थे। उन्होंने ममता सरकार के खिलाफ चार्ज शीट जनता की अदालत में प्रस्तुत की है। यह पहली बार है, जब किसी केंद्रीय गृहमंत्री ने राज्य सरकार के खिलाफ इस तरह से चार्ज शीट पेश की है। पश्चिम बंगाल सहित देश के सभी हिस्सों में इसकी बड़ी चर्चा हो रही है।

ईरान युद्ध : एक और अहम समुद्री रास्ते पर संकट, क्या होगा असर

ईरान युद्ध की जद में लाल सागर से होने वाला व्यापार भी आ सकता है। इजराइल पर हूती बागियों ने बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है। इसके बाद से यह आशंका और बढ़ गई है। यह पहला अवसर है जब इजराइल पर यमन की ओर से ऐसा हमला का सामना हुआ है। ईरान समर्थित हूती बागियों ने इस हमले की जिम्मेदारी ली और दावा किया कि उन्होंने दक्षिणी इजराइल के संवेदनशील सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

हमले से ठीक पहले, बेयर शेवा और इजराइल के परमाणु शोध केंद्रों के आसपास रात में लगातार तीन बार सायरन बजे। ईरान और हिज्बुल्लाह की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए। हूती बागी 2014 से यमन की राजधानी सना पर नियंत्रण बनाए हुए हैं। अब तक वे व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष से दूर थे, लेकिन इजराइल-ईरान तनाव के बढ़ने के साथ उन्होंने युद्ध में कूदने के अपने इरादे साफ कर दिए।

वर्ष 2023-25 के बीच हूतियों ने एक सौ से अधिक व्यापारी जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए थे। इन हमलों में दो जहाज डूब गए थे और कई नाविक मारे गए थे। अगर हूती बागी फिर सक्रिय होते हैं तो लाल सागर मार्ग से होकर करीब एक ट्रिलियन डालर का वार्षिक वैश्विक व्यापार फिर संकट में पड़ सकता है। यहां से होने वाले व्यापार को यमन के पास से बाब-अल-मंदेब जलमार्ग के पास से होकर गुजरना पड़ता है। अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड की मरम्मत चल रही है और विशेषज्ञों को आशंका है कि लाल सागर में उसकी वापसी के साथ पहले जैसी तीखी मुठभेड़ फिर शुरू हो सकती हैं, जैसा यूएसएस आइजनहावर और यूएसएस ट्रूमैन के साथ हुआ था।

छह देशों की गोलबंदी

छह देशों ने कहा है कि वे होर्मुज जलमार्ग के रास्ते से सुरक्षित आवाजाही को सुनिश्चित करने की कोशिशों में सहयोग करेंगे। इन देशों में ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और जापान के अलावा नीदरलैंड्स और इटली भी शामिल हैं। संयुक्त बयान में कहा गया है, 'हम उन देशों की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं जो तैयारी की योजना में शामिल हैं।'

तनाव के बीच एक सकारात्मक संकेत यह है कि ईरान ने संयुक्त राष्ट्र के अनुरोध पर मानवीय और कृषि आपूर्ति को होर्मुज जलमार्ग से गुजरने की अनुमति देने पर सहमति जताई। यह वही जलमार्ग है, जो दुनिया की कुल तेल आपूर्ति का पांचवां और उर्वरक व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा संभालता है। इसकी रुकावट दुनिया की खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन गई है।

ईरानी मीडिया के मुताबिक, अराक और यजद प्रांत में दो परमाणु संयंत्रों पर इजराइल की ओर से हमले हुए। इजराइल ने दावा किया कि इससे ईरान की परमाणु क्षमता को बड़ा नुकसान पहुंचा है। ईरान ने बदले की चेतावनी देते हुए कहा कि इजराइल को भारी कीमत चुकानी होगी। अमेरिका, पाकिस्तान और तुर्किये सहित कई देशों के राजनयिक युद्धविराम के लिए बातचीत कराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब तक सफलता नहीं मिली है। जी7 देशों ने नागरिक ठिकानों पर हमले तुरंत रोकने की अपील की है।

अमेरिका ने क्षेत्र में 2,500 मरीन और 82वीं एअरबोर्न डिवीजन के 1,000 पैराट्रूपर्स भेजने का आदेश दिया है। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि जमीनी सैनिकों के बिना भी हम अपने लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, ईरान में 82,000 इमारतें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं और लाखों लोगों के विस्थापित होने की आशंका है। लेबनान, ईरान, इराक और इजराइल में कुल मिलाकर हजारों लोगों की मौत हुई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ईरान में 1,900 से ज्यादा लोग और लेबनान में 1,100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। वहीं पश्चिमी तट और खाड़ी देशों में कुल मिलाकर 20 लोगों की मौत हुई है।

जलवायु संतुलन : मिट्टी में कम हो रहा कार्बन

मिट्टी में वायुमंडल से तीन गुना अधिक कार्बन जमा होता है, इसलिए यह जलवायु संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। सूखी और गर्म परिस्थितियों में मिट्टी का कार्बन तेजी से घटता है व कार्बन डाइआक्साइड के रूप में वातावरण में जाता है।

गीली और गर्म मिट्टी में कार्बन की मात्रा बढ़ती है, क्योंकि सूक्ष्मजीव (माइक्रोब्स) इसे अपने विकास में उपयोग करते हैं व कम उत्सर्जन करते हैं। बढ़ते तापमान व सूखे के दौरान सूक्ष्मजीव पुराने और स्थिर कार्बन को भी तोड़ने लगते हैं, जिससे लंबे समय से सुरक्षित कार्बन भी बाहर निकल सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु माडल में मिट्टी और सूक्ष्मजीवों की भूमिका को शामिल करना बहुत जरूरी है। हम जिस मिट्टी पर चलते हैं, वह केवल धूल नहीं है। यह धरती का एक बहुत बड़ा 'कार्बन बैंक' है। शोध के अनुसार, मिट्टी में हवा (वायुमंडल) की तुलना मे लगभग तीन गुना अधिक कार्बन जमा होता है। यह कार्बन अगर मिट्टी में ही सुरक्षित रहे तो यह जलवायु को संतुलित रखने में मदद करता है।

अगर यह कार्बन, कार्बन डाइआक्साइड बनकर हवा में चला जाए तो पृथ्वी का तापमान और तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए यह समझना बहुत जरूरी है कि मिट्टी में कार्बन रुकेगा या बाहर निकलेगा। हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक अहम शोध किया, जो 12 साल तक चला। यह प्रयोग अमेरिका के ओक्लाहोमा में किया गया। इसमें 48 अलग-अलग जमीन के टुकड़ों पर अध्ययन किया गया। कुछ जगहों का तापमान सामान्य रखा गया, जबकि कुछ जगहों को तीन डिग्री सेल्सियस तक गर्म किया गया, ताकि भविष्य की गर्म जलवायु का प्रभाव समझा जा सके। वैज्ञानिकों ने पानी की मात्रा भी नियंत्रित की। कुछ जगहों पर सूखा जैसा माहौल बनाया गया, जबकि कुछ जगहों पर ज्यादा पानी दिया गया, ताकि नमी वाले मौसम की स्थिति बनाई जा सके। हर साल उन्होंने मिट्टी की जांच की और देखा कि इन परिस्थितियों में क्या बदलाव आते हैं।

'नेचर क्लाइमेट चेंज' नामक पत्रिका में प्रकाशित शोध का सबसे बड़ा निष्कर्ष यह था कि मिट्टी में कार्बन को बनाए रखने में पानी की बहुत बड़ी भूमिका होती है। जब मिट्टी सूखी और गर्म थी, तब उसमें मौजूद कार्बन का लगभग 12.2 फीसद हिस्सा खत्म हो गया। यानी यह कार्बन हवा में चला गया। शोध के मुताबिक, मिट्टी में कार्बन का भंडारण कैसे पानी, तापमान और सूक्ष्मजीवों की गतिविधियों पर निर्भर करता है और जलवायु को प्रभावित करता है।

(फाइल फोटो)

'नेचर क्लाइमेट चेंज' नामक पत्रिका में प्रकाशित इस शोध का सबसे बड़ा निष्कर्ष यह था कि मिट्टी में कार्बन को बनाए रखने में पानी की बहुत बड़ी भूमिका होती है। जब मिट्टी सूखी और गर्म थी, तब उसमें मौजूद कार्बन का लगभग 12.2 फीसद हिस्सा खत्म हो गया। यानी यह कार्बन हवा में चला गया। जब मिट्टी गीली और गर्म थी, तब कार्बन में लगभग 6.7 फीसद की वृद्धि हुई। यानी ज्यादा पानी होने से मिट्टी ने और अधिक कार्बन को अपने अंदर जमा कर लिया। इससे साफ होता है कि मिट्टी की नमी कार्बन को बचाने में मदद करता है।

इस बदलाव के पीछे पौधे नहीं, बल्कि मिट्टी में रहने वाले छोटे-छोटे जीव यानी सूक्ष्मजीव जिम्मेदार हैं। ये जीव इतने छोटे होते हैं कि इन्हें हम आंखों से नहीं देख सकते, लेकिन इनका असर बहुत बड़ा होता है। जब मौसम गर्म और सूखा होता है, तो माइक्रोब्स के लिए यह तनावपूर्ण स्थिति होती है। ऐसे में ये जीवित रहने के लिए ज्यादा कार्बन का उपयोग करते हैं और उसे कार्बन डाइआक्साइड के रूप में हवा में छोड़ देते हैं। वहीं, जब मिट्टी गीली होती है, तो सूक्ष्मजीव बेहतर तरीके से बढ़ते हैं और कार्बन का उपयोग अपने विकास के लिए करते हैं। इससे कम कार्बन हवा में जाता है और ज्यादा मिट्टी में ही रहता है।

ट्रंप की आव्रजन नीति : भारत-चीन पर सबसे ज्यादा असर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की सख्त आव्रजन नीति का सबसे ज्यादा असर भारत और चीन पर पड़ा है। वर्ष 2025 के पहले आठ महीनों में 2024 की समान अवधि की तुलना में लगभग 2.5 लाख कम वीजा जारी किए गए।

अमेरिकी विदेश विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से अगस्त 2025 के बीच स्थायी निवास और अस्थायी वीजा में 11 फीसद की गिरावट दर्ज की गई। ये वीजा आमतौर पर छात्रों, कामगारों और नागरिकों या वैध निवासियों के परिजनों को दिए जाते हैं। इस 11 फीसद गिरावट में पर्यटक वीजा शामिल नहीं हैं।

पर्यटन वीजा की संख्या भी इसी अवधि में कम हुई। चीनी और भारतीय नागरिकों को जारी वीजा में करीब 84,000 की कमी आई, जिसका मुख्य कारण इन देशों से आने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों और कामगारों की संख्या में गिरावट है। व्यापार और पर्यटन वीजा में भी लगभग 3.4 फीसद की गिरावट आई, जो करीब दो लाख वीजा के बराबर है।

नाम सुधार सूचना

मैं स्वीटी वाधवानी, 81 वार्ड नं. 22,गल्लामंडी रीवा म.प्र. 486001 की निवासी हूं। यह कि मेरी पुत्र का सही नाम जश्न वाधवानी (JASHN WADHWANI) है जबकि मेरे पुत्र के पिछले दस्तावेजों में जश्न कुमार हिरवानी दर्ज था जबकि अब उसका सही नाम जश्न वाधवानी है कृपया मेरे पुत्र को अब जश्न वाधवानी के नाम से ही जाना समझा लिखा व पढा जाये।

स्वीटी वाधवानी

एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने। भारतीय महिला हॉकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी। हॉकी नेशंस कप प्रो लीग से बाहर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमों का शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट है। इसमें विजेता टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में खेलने का अवसर मिलता है।भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में आखिरी स्थान पर रहने के बाद से ही प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा इसमें मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे।

फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ले सकते हैं संन्यास

टोक्यो। जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है। इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं। इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके।

वैभव सभी मैचों में उतरेंगे - रियान

गुवाहाटी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इस सत्र में अपनी सभी 14 मैच खेलेंगे। 15 साल के वैभव ने पहले ही मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 300 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाकर राजस्थान रॉयल्स की जीत में अहम भूमिका निभाई है। इससे उत्साहित रॉयल्स के कप्तान रियान ने कहा है हालात कैसे भी हों वैभव हर मैच खेलेंगे। सीएसके के खिलाफ मैच के बाद कप्तान रियान से जब वैभव के बारे में पूछा गया कि आप उन्हें क्या कहेंगे? पराग ने कहा, मैं उसे यही कहूंगा कि तुम 14 गेम खेलने वाले हो और गेम में चाहे कुछ भी हो, तुम्हें इसी प्रकर निडर होकर खेलना है।

आईपीएल की कवरेज के लिए आये ब्रिटेन के ब्रॉडकास्ट इंजीनियर की मौत

मुम्बई। आईपीएल कवरेज की जिम्मेदारी संभाल रहें ब्रॉडकास्ट इंजीनियर ब्रिटेन के इयान विलियम्स लैंगफोर्ड की अचानक हुई मौत से सनसनी फैल गयी है। लैंगफोर्ड को मुंबई के पांच सितारा ट्राइडेंट होटल में मृत पाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इयान 24 मार्च से ही होटल में ठहरे हुए थे।

आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

शाम 7.30 शुरु होगा मैच

लखनऊ। यहां के इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। सुपरजायंटस के लिए सकारात्मक बात ये रहेगी कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। सुपरजायंटस की कप्तानी जहां ऋषभ पंत के पास है, वहीं दिल्ली की कमान अक्षर पटेल संभालेंगे। ऋषभ इस लीग में बेहतर बल्लेबाजी कर अपनी फिटनेस और फार्म हासिल करने का प्रयास करेंगे। वहीं अक्षर का प्रयास भी अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। इन दोनो ही टीमों का प्रदर्षन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। पिछली बार दोनों ही टीमें प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाय थीं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच हुए सात मैचों में से दिल्ली ने चार जीते हैं जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं हाल के वर्षों में लखनऊ ने दिल्ली को तीन मैच हराकर दिखाया है कि वह भी बराबरी की दावेदार है। उसने 200 रन से अधिक रन बनाकर दिल्ली को कड़ी टकर दी है। ऐसें में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानना होगा। बेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटक लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में केएल राहुल और पथुम निसांका के अलावा पृथ्वी शॉ पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में में भी टीम की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। इस दौरान उसने कई कप्तान भी बदले हैं। दिल्ली के लिए इस मुकाब्ले में राहुल एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। 145 आईपीएल मैचों में 46.21 के शानदार औसत से 5222 रन बनाने वाले राहुल इस टूर्नामेंट के सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक रहे हैं।लखनऊ जैसी कठिन पिच पर राहुल की पारी को संभालने की क्षमता और भी ज्यादा कीमती साबित होगी। अगर वह टीम को एक मजबूत शुरुआत दे पाते हैं और अंत तक बल्लेबाजी करते हैं, तो इससे मध्य क्रम पर दबाव कम होगा और टीम एक अच्छा स्कोर खड़ा कर पाएगी।. राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। अभिषेक पोरेल ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मुकाबलों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर,ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और ज्यादा संतुलित दिख रहा है।

कोच ने बताया सूर्यकुमार के इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरने का कारण

मुम्बई । मुंबई इंडियंस टीम में शामिल बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आईपीएल सत्र के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान में उतरे। सूर्या ने इस मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की पर पर वह फिल्डिंग के लिए मैदान में नहीं उतरे।

इसके बाद से ही कई सवाल उठे हैं जिनको लेकर अब टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने सफाई दी है। जयवर्धने ने कहा कि टीम में सब कुछ ठीक है और किसी प्रकार की अटकलें लगायी नहीं जानी चाहिये। सूर्यकुमार को हल्की ग्रोइन समस्या थी, इसलिए उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा गया।

जिससे वह चोट से बचे रहें। जयवर्धने के अनुसार वह फील्डिंग करने के लिए तैयार थे पर टीम प्रबंधन किसी प्रकार से उनकी फिटनेस को लेकर खतरा मौल नहीं लेना चाहता था। कोच ने साफ कहा कि बड़े खिलाड़ियों को पूरे सत्र के लिए फिट रखना जरूरी है, इसलिए ये सोचा-समझा फैसला था। सूर्या ने केकेआर के खिलाफ ने 8 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली।

उन्होंने शुरुआत में ही बाउंड्री लगाकर लय दिखाई, लेकिन 15वें ओवर में आउट हो गए। मुंबई इंडियंस का अगला मैच 4 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। और माना जा रहा है कि इस मैच में सूर्यकुमार इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं बल्कि अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे।

ओवर्टन ने धोनी का रिकार्ड तोड़ा

आठवें नंबर पर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे जैमी ओवर्टन ने आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 43 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने के साथ ही पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का भी एक रिकार्ड तोड़ दिया। ओवर्टन के कारण ही सीएसके 100 रन से ऊपर पहुंची। टीम के 127 रनों में से 43 रन ओवर्टन ने बनाए और धोनी का आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक 38 रनों के स्कोर को रिकार्ड भी तोड़ दिया। धोनी इस मैच में शामिल नहीं थे। वह चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हैं। इस मैच में टीम को एक बार फिर धोनी की कमी महसूस की। आईपीएल में सीएसके की ओर से धोनी ने अब तक 6 मैच नहीं खेल पाये हैं और इनमें से पांच मैचों में टीम हार है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह टीम के लिए कितने जरुरी हैं।

जैमी ओवर्टन अब आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नंबर 8 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभी तक यह रिकॉर्ड धोनी के नाम दर्ज था। धोनी ने साल 2024 में विशाखापट्टनम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नाबाद 37 रनों की पारी खेली थी, जबकि अब ओवर्टन ने 43 रन बनाए। इस ऑलराउंडर ने रन आउट होने से पहले 36 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की सहायता से 43 रनों की पारी खेली।

शुरुआती मैच में मिली हार से निराश नहीं रुतुराज

गलतियों से सबके लेते हुए वापसी करेंगे

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल के पहले ही मैच में मिली हार से सबक लेते हुए उनकी टीम वापसी करेगी। रुतुराज ने टीम का बचाव करते हुए कहा है कि सत्र की शुरुआत में गलती होना चल सकता है पर बाद में नहीं। अभी सत्र का पहला ही मैच हुआ है जिसमें मिली हार से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। इसलिए टीम में पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव नहीं है।

टीम आने वाले सत्र में प्रदर्शन के लिए तैयार है। वहीं मैच को लेकर उन्होंने कहा, मैं अधिक निराश नहीं हूं। इसका कारण है कि इस मैच की शुरुआत में हालात कठिन थे। हमारे टीम के लिए जोफा आर्चर जैसे गेंदबाज का सामना करना आसान नहीं था। तब स्पिनरों को भी विकेट से सहायाता मिल रही थी जिससे हालात और खराब थे। स्पिनर्स को भी मदद मिल रही थी।+ उन्होंने हालांकि माना कि टीम बाद में बेहतर बल्लेबाजी कर सकती थी पर असफल रही। उन्होंने कहा कि हम मैच को अंत तक ले जान चाहते थे। हमारा लक्ष्य 150-160 तक पहुंचना था पर सफल नहीं रहे। उन्होंने माना कि टीम की बल्लेबाज विफल रही। पावरप्ले में टीम ने 41 रनों के अंदर तीन विकेट खो दिये थे जिससे उसपर दबाव आ गया था। पारी में कोई भी साझेदारी 40 रन तक नहीं पहुंच सकी जिससे टीम अच्छा स्कोर नहीं बनाने से हार गयी। एक के बाद एक विकेट गिरने से टीम को संभलने का अवसर ही नहीं मिला। इस मैच में टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रहे और उसने शुरुआत में ही रुतुराज और संजू सैमसन के विकेट गंवा दिये। वहीं युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे शून्य पर ही आउट हो गये। मध्य क्रम भी असफल रहा। इम्पैक्स प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान भी 17 रन ही बना पाये। युवा खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने 18 रन बनाए। केवल जेमी ओवरटन ही टिककर खेल पाये। ओवरटन ने 36 गेंदों में 43 रन बनाये पर किसी भी बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया। शिवम दुबे 6 रन, नूर अहमद 1 रन और मैट हेनरी 5 रन बनाकर आउट हो गए, पूरी टीम 127 रन पर ऑल आउट हो गई। इसके बाद रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी से आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। अब सीएस की टीम गुरुवार को पंजाब किंग्स से खेलेगी। इस मैच में सभी की नजरें सीएसके पर रहेंगी।

वैभव की पारी देखकर कैफ के सुर बदले, बोले उसकी क्षमताएं पहचानने में मुझसे भूल हुई

वह अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार

गुवाहाटी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत से पहले उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की आलोचना करने वालों के सुर भी उनकी बल्लेबाजी देखकर अब बदल गये हैं। जिस प्रकार से वैभव ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ पहले ही मैच में 15 गेंदों में ही तेजी से अर्धशतक लगाया है। उससे पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाये। पहले जहां कैफ ने कहा था कि वैभव को लेकर जरुरत से ज्यादा बातें कही जा रही हैं, वहीं इस बल्लेबाज की पारी देखकर अब कैफ को भी अपनी धारणा बदलनी पड़ी है। कैफ ने माना है कि वैभव की क्षमताएं पहचानने में उनसे गलती हो गयी।

कैफ ने सोशल मीडिया में लिखा, 'पिछले सत्र में मुझे लगा था कि वैभव सूर्यवंशी को बहुत जल्दी हाइप मिल रही है। पुराने विचारों वाला क्रिकेटर होने के नाते मेरा मानना है कि युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में कोई जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। लेकिन एक साल बाद मुझे लगता है कि वह अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार है। यह 15 साल का लड़का मनोरंजन भी कर सकता है और मैच विजेता पारियां भी खेल सकता है।'पिछले साल उसने 35 गेंद में शतक लगाया था। वहीं अब 15 गेंद में अर्धशतक लगाया है। पिछले साल वैभव ने 14 साल की उम्र में डेब्यू किया था। वह आईपीएल इतिहास में डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में इस बल्लेबाज ने 35 गेंद में शतक लगा दिया था। ये आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है। उनसे पहले सबसे तेज शतक केवल यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल के नाम है जिन्होंने 2013 में केवल 30 गेंदों में तीन अंकों का आंकड़ा हासिल किया था। सोमवार को हुए मैच की बात करें तो सीएसके पहले बल्लेबाजी करते हुए केवल 127 रन पर सिमट गई। टीम पूरे 20 ओवर तक नहीं खेल पाई और 19.4 ओवर में ही सिमट गई।

दिल्ली को जीत दिलाने अक्षर पटेल को निरंतरता लानी होगी - इरफान पठान

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर ऑलराउंडर और कप्तान अक्षर पटेल के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और अगर उन्हें अपनी टीम को जीत दिलानी है तो इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पठान के अनुसार पिछले सत्र में अक्षर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। पठान ने बताया है कि हाल के दिनों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता टीम के खिलाड़ियों का कमजोर प्रदर्शन रहा है।

पठान ने किहा कि अक्षर पिछले सत्र के 12 मैचों में केवल 5 विकेट ले पाये और अन्होंने 263 रन बनाए। पठान ने कहा, पिछले साल अक्षर की गेंदबाजी में धार नहीं दिखी थी। उनका आत्मविश्वास हालांकि कप्तान बनने के बाद बढ़ा होगा पर अगर वह अपनी तरफ से नियमित रूप से विकेट लेते हैं, तो उनकी टीम हावी हो जाएगी क्योंकि उनकी टीम के पास कुलदीप यादव जैसा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। इसके अलावा विपराज निगम जैसे उभारत हुआ खिलाड़ी है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कहा, आपको अक्षर और कुलदीप जैसी स्पिन-गेंदबाजी की जोड़ी कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। आपको इसमें विपराज का नाम भी जोड़ना होगा। विपराज के साथ उनके पास दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार दो विश्व कप जीते हैं।

भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों वाला ऐसा अनुभव आपको हर जगह नहीं मिलता। दिल्ली के लिए ये सकारात्मक बात है। कैपिटल्स ने पिछले सत्र की शुरुआत काफी अच्छी करते हुए लगातार चार मैच जीते थे। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स , सनराइजर्स हैदराबाद , चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी को हराया था पर उसके बाद मुंबई इंडियंस से हार गए और इससे टीम ने अपनी लय गंवा दी थी। यह टीम अपने पिछले 10 मैचों में से सिर्फ तीन ही जीत पाई और अंक तालिका में 5 स्थान पर रही।

अब इस सत्र में टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसे अपना पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है। दिल्ली का लक्ष्य इस मैच को जीतकर अच्छी शुरुआत करना रहेगा।

पावरप्ले की कमज़ोरी नहीं ठीक कर पायी सीएसके

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम एक बार फिर पावरप्ले में कमजोर साबित हुई है। इसी कारण आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मैच में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके की आधी टीम शुरुआती छह ओवरों में ही मात्र 41 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। पिछले साल भी उसने पावरप्ले में ही अपने विकेट गंवा दिये थे। कागज पर जहां टीम की बल्लेबाजी कमजोर नजर आती है, वहीं मैदान पर आते ही उसकी कमजोरी की पोल खुल गयी। टूर्नामेंट की शुरुआत पहले दो मैचों में पावरप्ले में बड़े स्कोर के साथ हुई थी। इससे यह साफ हो गया कि अब लीग में पावरप्ले बल्लेबाजी का स्तर काफी कुछ तय करता है। ऐसे में शुरुआत में ही करीब पांच विकेट गिरना दिखाता है कि मैच टीम के हाथों से निकल गया है।

इससे पहले आईपीएल 2025 में भी सीएसके का प्रदर्शन पावरप्ले में अच्छा नहीं रहा था। टीम पावरप्ले में 14 पारियों में 8.70 के रन रेट से 731 रन ही बना पायी थी। उसका औसत पावरप्ले स्कोर 52.21 रहा। सीएसके ने पिछले सत्र में पावरप्ले में 29 विकेट खोये यानी हर पारी में औसतन 2.07 विकेट, जबकि डॉट बॉल प्रतिशत 42.66 फीसदी रहा।पावरप्ले के पहले हाफ में ही काफी कुछ तय होता है। 1 से 3 ओवर में सीएसके ने सिर्फ 7.76 की रन रेट से रन बनाए और 49.60 फीसदी गेंद डॉट खेली। सीएसके के लिए चिंता की बात सिर्फ कम स्कोर नहीं है। असली चिंता यह है कि इस विकेट गिरने का तरीका पिछले साल जैसा ही है। आईपीएल 2025 में सीएसके की पावरप्ले बल्लेबाजी इसलिए खराब थी क्योंकि वह कम स्कोरिंग और ज्यादा नुकसान वाली थी।

कार्तिक अन्य तेज गेंदबाजों के एक्शन की नकल न करें - स्टेन

मुम्बई। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी अपना गेंदबाजी एक्शन बार-बार बदल रहे हैं जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। स्टेन के अनसार जिस प्रकार से कार्तिक अन्य गेंदबाजों की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं उससे उन्हें बचना होगा। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि किसी की नकल से कुछ लाभ जरुर मिल सकता है पर हर गेंदबाज के पास आना स्वयं का एक्शन होता है जिसे बनाये रखना चाहिये। आईईपीएल के पहले ही मैच में कार्तिक ने केकेआर के खिलाफ अपने पहले ही मैच में सूर्यकुमार यादव का विकेट लिया था पर उन्होंने 43 रन भी अपनी गेंदबाजी में दिये। स्टेन ने यह भी कहा कि इस युवा में काफी प्रतिभा है और उसे इसका सही से इस्तेमाल करना चाहिये। इसके साथ ही धैर्य रखते हुए विकेट के लिए हड़बड़ी नहीं करनी चाहिये। स्टेन के अनुसार, विकेट लेने की एक प्रक्रिया होती है और खिलाड़ी को उसी पर ध्यान देना चाहिए, न कि हर गेंद पर विकेट लेने का प्रयास करना चाहिये। साथ ही कहा कि इस गेंदबाज को अपने पर भरोसा रखते हुए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।अब तक के आईपीएल कैरियर को देखें तो कार्तिक ने आईपीएल 2020 में राजस्थान के लिए खेलते हुए 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे और तभी सभी का ध्यान उनपर गया था। साल 2021 में उन्होंने पंजाब के खिलाफ आखिरी ओवर में 4 रन बचाकर मैच जिताया था।

जडेजा ने बताया, गन शॉट सेलिब्रेशन का कारण

गुवाहाटी। राजस्थान रॉयल्स की टीम ने आईपीएल 2026 की शुरुआत जीत से की है। उसने पहले ही मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को हराया है। इस मैच में रॉयल्स की ओर से खेल रहे रविन्द्र जडेजा ने सीएसके के शिवम दुबे को आउट करने के बाद गन शॉट सेलिब्रेशन किय। ये पहली बार है जब जडेजा ने इस प्रकार से जश्न मानाया। वह अबतक तलवारबाजी वाला जश्न मानते आये हैं पर गन शॉट वाला नहीं। वहीं जडेजा ने इसका कारण भी बताया है।

उन्होंने कहा कि मैं जानता था कि शिवम कैसे सोचते हैं। इसलिए मुझे पता था कि वह बड़ा शॉट खेलने का प्रयास करेगा और उसकी इसी योजना को विफल करने में मैं सफल रहा। इसी कारण मैंने जश्न मनाया।

इससे पहले तक सीएसके में रहे जडेजा पहली बार रॉयल्स से खेल रहे हैं। जडेजा ने अपनी पुरानी टीम के सामने खतरनाक गेंदबाजी की। 3 ओवर में 18 रन दिए और 2 विकेट लिए। इसमें सरफराज खान और शिवम दुबे का विकेट शामिल था। दोनों को एक ही ओवर में जडेजा ने अपना शिकार बनाया। शिवम को आउट करने के बाद जश्न के कारण वह निगाहों में आये। जडेज ने कहा, मैं उन्हें काफी लंबे समय से जानता हूं। मैं नेट्स में नियमित रूप से उन्हें गेंदबाजी करता रहा हूं। मैं जानता हूं कि वे कैसे सोचते हैं और क्या करना चाहते हैं। मैं इसके लिए तैयार था और मैंने ऑफ-स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने की कोशिश की, क्योंकि मुझे पता था कि वे मेरे खिलाफ बड़े शॉट खेलने की कोशिश करेंगे। इस विकेट के साथ सीएसके संभल नहीं पाई और 127 रन पर पूरी टीम सिमट गई। उधर, आरआर ने 13वें ओवर में ही मैच फिनिश कर दिया।

जडेजा ने कहा, मुझे लगा कि विकेट थोड़ा फिसलन भरा था और गेंद घूम रही थी, इसलिए मुझे गेंदबाज़ी करने में बहुत आनंद आया। मेरा काम बस सही जगहों पर गेंद डालना था और बाकी काम पिच पर छोड़ देना था।

खेल में आप किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं ले सकते; लक्ष्य चाहे जो भी हो, आपको कड़ी मेहनत करने के साथ ही पूरे जुनून से प्रयास करना होता है।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का करें तत्परता से निराकरण - कमिश्नर

रीवा (कीर्तिप्रभा). कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की 50 दिवस से अधिक और नॉन अटेंडिंग शिकायतों को गंभीरता से लें। जिला स्तर के अधिकारी लंबित प्रकरणों का तत्परता से निराकरण कराएं। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में सिंगरौली जिले ने अच्छा कार्य करते हुए ए ग्रेडिंग हासिल की है। अन्य जिले भी लंबित शिकायतों का निराकरण कर अपनी ग्रेडिंग सुधारें। कमिश्नर ने %कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस% के एजेंडा बिंदुओं पर की गई कार्यवाही की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं पर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तत्काल ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कराएं जिससे शासन स्तर पर संभाग की वास्तविक प्रगति परिलक्षित हो सके। सभी विभाग गत वित्तीय वर्ष में दिए गए लक्ष्यों के आधार पर हुई प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि नरवाई जलाना पर्यावरण और भूमि दोनों के लिए हानिकारक है। इससे वायु प्रदूषण में बढ़ोत्तरी होती है और मृदा की उर्वरता भी प्रभावित होती है। इसलिए किसानों को नरवाई न जलाने के लिए समझाइश दें। हार्वेस्टर में स्ट्रारीपर लगे होने पर ही उन्हें फसल कटाई की अनुमति दें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि प्रशासनिक नवाचार के तहत ई आफिस व्यवस्था लागू की गई है। अब कार्यालयों के अंदर तथा अन्य कार्यालयों में फाइलों का संचालन ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। ई आफिस व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करके रीवा संभाग में संभागीय रैंकिंग में अक्टूबर माह से लगातार प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। सभी विभागों में ई फाइलिंग की प्रक्रिया को पूरी तरह से अपनाएं और भौतिक फाइलों पर निर्भरता कम करें। ई आफिस के माध्यम से कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं गति आएगी जिससे आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी।

कमिश्नर ने कहा कि जल संरक्षण और संवर्धन हम सबकी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। जल गंगा संवर्धन अभियान में सभी अधिकारी बढ़चढ़ कर योगदान दें। जन भागीदारी से श्रमदान कराकर पुरानी जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करने के प्रयास करें। शासन के निर्देशों के अनुरूप नदियों के उद्गम स्थलों की सफाई, पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार तथा गत अभियान के अधूरे जल संरक्षण के कार्यों को पूरा कराने पर विशेष जोर दें। अधीक्षण यंत्री पीएचई गर्मियों में संभाग के हर बसाहट में पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। हैण्डपंपों के सुधार के लिए सभी विकासखण्डों में तत्काल कंट्रोल रूम शुरू करें। पेयजल के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर तत्परता से और संवेदनशीलता से कार्यवाही करें। जल गंगा संवर्धन अभियान में पीएचई और जल निगम के अधिकारी नलजल योजनाओं के स्रोत तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने का अभियान चलाएं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में पेयजल की नियमित आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। बैठक में कमिश्नर ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत शेष बचे सभी आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण कराएं। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी पूर्ण संवेदनशीलता और जवाबदेही से कार्य करें। आवेदन पत्रों में आवेदकों की संतुष्टि के साथ निराकरण आवश्यक है। इस पर विशेष ध्यान दें। सभी अधिकारी नियमित रुपए से क्षेत्र भ्रमण कर वा?स्तविक स्थिति का आंकलन करें और मौके पर समस्याओं का निराकरण करें।

आमजनों के 40 आवेदन पत्रों में की गई सुनवाई

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आमजनों के आवेदन पत्रों की सुनवाई की गई। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर राजेश सिन्हा और डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुमार बेक ने आमजनों के 40 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। जनसुनवाई में सेमरिया तहसील के ग्राम खड्डा निवासी राजवती साकेत ने बीपीएल में नाम जोड़ने तथा पेंशन दिलाए जाने के लिए आवेदन दिया। इसी प्रकार नगर परिषद सिरमौर के नगरवासियों ने रीवा-सिरमौर रोड में स्थित कम्पोजिट शराब दुकान को अन्यत्र स्थापित कराए जाने के संबंध में आवेदन दिया। ग्राम बीड़ा निवासी राघवेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा नक्शा तरमीम के लिए आवेदन दिया गया। रीवा शहर के पोखरी टोला निवासी मोतीलाल साकेत ने विद्युत विभाग द्वारा घरेलू विद्युत बिल अधिक राशि का बिल प्रदाय किए जाने पर उसमें सुधार कराए जाने के लिए आवेदन दिया। मधु शुक्ला निवासी वार्ड क्रमांक 18 झिरिया उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन दिलाए जाने का आवेदन दिया। जनसुनवाई में गुढ़ तहसील क्षेत्र के निवासी अमित कुमार साकेत द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने सहित अन्य आवेदकों ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। संयुक्त कलेक्टर और डिप्टी कलेक्टर ने सभी आवेदन पत्रों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित करते हुए उनके यथाशीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने आमजनता के आवेदन पत्रों में की सुनवाई

रीवा (कीर्तिप्रभा). कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में आवेदन पत्रों में सुनवाई की। जनसुनवाई में दिव्यदर्शन द्विवेदी निवासी कैलाशपुरी कालोनी रीवा ने अनुकम्पा नियुक्ति दिलाए जाने का आवेदन दिया। मुकद्दर बेग निवासी घोघर ने मकान से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। मुन्नीलाल तिवारी निवासी ग्राम शिवराजपुर जिला मऊगंज ने अवैध रूप से खसरे में सुधार कराने वालों पर कार्यवाही के लिए आवेदन दिया। प्रियंका सिंह निवासी ग्राम नौगवाधीर जिला सीधी ने स्पांसरशिप योजना की राशि का भुगतान कराए जाने के लिए आवेदन दिया।

समिति गठित

मऊगंज मुख्य सचिव अनुराग जैन द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों के पालन में मऊगंज जिले में बीमा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, निगरानी एवं समन्वय तथा बीमा दावों के त्वरित? निपटान के लिए जिला स्तरीय बीमा समिति का गठन किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संजय

5 अप्रैल रविवार को मनाया जायेगा, रजत जयंती समारोह

ईश्वरचन्द्र विद्यासागर महाविद्यालय जवा, 32 वां वर्ष

ईश्वरचंद्र विद्यासागर महाविद्यालय का 32वां रजत जयंती सम

रीवा ईश्वरचन्द्र विद्यासागर महाविद्यालय जवा, 32 वां वर्ष का रजत जयंती समारोह 05 अप्रैल रविवार को मनाया जायेगा। इस गरिमामयी आयोजन की तैयारियां महाविद्यालय परिवार द्वारा जोर शोर से जारी है। विद्यासागर शिक्षा समिति के अध्यक्ष रमाशंकर मिश्र ने बताया कि ईश्वरचंद्र विद्यासागर शिक्षा समिति खुटेही द्वारा संचालित स्नातकोत्तर महाविद्यालय जवा का 32 वां वर्ष के पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह नवनिर्मित शिक्षा तथा महाविद्यालय के पूरा छात्र/छात्रा का सम्मान समारोह के अवसरपर आपको आमंत्रित करते हुए महाविद्यालय परिवार प्रसन्नता का अनुभव कर रहा है। उक्त कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि राजेन्द्र शुक्ल उप मुख्यमंत्री मप्र शासन अध्यक्षता जनार्दन मिश्र जी सासद रीवा विशिष्ट अतिथि मान. श्री दिव्यराज सिंह विधायक सिरमौर नीता कोल अध्यक्ष जिला पंचायत रीवा वीरेन्द्र गुप्ता जी अध्यक्ष, भाजपा जिला रीवा मा. व्यंकटेश पाण्डेय जी अध्यक्ष, नगर पालिक निगम रीवा डॉ. रहस्यमणि मिश्र जी पूर्व कुलपति अ.प्र. सिंह वि. वि .रीवा डा आर. एन. तिवारी प्राचार्य, विज्ञान महाविद्यालय, डॉ. सुरेन्द्र सिंह परिहार ध्रुव कुमार द्विवेदी कुलगुरू स्वामी विवेकानाद वि.वि. सागर (म.प्र) सामिल होगे। श्री मिश्र ने बताया कि गरिमामयी समारोह का शुभारम्भ के पहले सुबह 11:00 बजे से सुन्दरकाण्ड पाठ , के बाद समारोह का प्रारंभमुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया जाएगा नव निर्मित शिक्षा भवन का लोकार्पण दोपहर 02:00 बजे से मां सरस्वती वंदना महाविद्यालय की छात्र/छात्राओं द्वारा माल्यार्पण कार्यक्रम अतिथियो को स्मृति चिन्ह स्वागत गीत द्वारा अतिथियों का स्वागत महाविद्यालयीन छात्र/छात्राओं द्वारा पूरा छत्रों का सम्मान, महाविद्यालय के भूमिदान दाताओं का सम्मान, महाविद्यालय के अध्यक्ष द्वारा अतिथियों के लिए, स्वागत भाषण एवं प्रगति प्रतिवेदन, विशिष्ट अतिथियों का सम्बोधन, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रसाद वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न होगा

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।